राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार,23 दिसंबर 2022 वर्ष–5,अंक–326 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना की धमक से अब राहुल की यात्रा को धमकाने निकली सरकार

नई दिल्ली। चीन में कोहराम मचा है तो भारत में भी हलचल स्वाभाविक है। आख़िर कोरोना चीन से ही तो दुनियाभर में फैला था। चीन के भयावह हालात देखकर भारत सरकार ने एडवाइज़री जारी कर दी है- भीड़ में जाएँ तो मास्क ज़रूर लगाएँ और बूस्टर नहीं लगवाया हो तो तुरंत लगवाएँ। भारत में पहले और दूसरे डोज़ तो ज़्यादातर लोगों ने लगवा लिए हैं, लेकिन बूस्टर अब तक केवल 27 प्रतिशत लोगों ने ही लगवाया है। समय रहते चेतावनी जारी करके सरकार ने अच्छा किया है लेकिन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों से आने वाले लोगों को क्वारैंटाइन रखने के बारे में कुछ नहीं कहा। इस बारे में कोई नीति नहीं बनाएंगे तो आफ़त को आने से कोई रोक नहीं सकता। पिछले सालों पहली और दूसरी वेव के दौरान हम इसका हश्र देख चुके हैं और उसके दुष्परिणाम भुगत भी चुके हैं। हाँ, केंद्र सरकार ने राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर ज़रूर निशाना साधा है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने राहुल गांधी को एक चिट्ठी लिखकर कहा है कि कोरोना की धमक सुनाई दे रही है। ऐसे में आपको भारत जोड़ो यात्रा रोक देनी चाहिए। ये बात और है कि यह चिट्ठी लिखने तक सरकार ने कोरोना को लेकर कोई एडवाइज़री जारी ही नहीं की थी। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने जब सवाल उठाया कि जब कोई एडवाइज़री जारी ही नहीं हुई है, ऐसे में आप यात्रा को रोकने के लिए कैसे कह सकते हैं?

स्वास्थ्य मंत्री ने 19 दिसंबर को संसद में बताया था कि भारत में वैक्सीनेशन का आंकड़ा 220 करोड़ को पार कर चुका है। भारत में पहले और दूसरे डोज़ तो ज़्यादातर लोगों ने लगवा लिए हैं लेकिन बूस्टर अब तक केवल

27 प्रतिशत लोगों ने ही लगवाया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने 19 दिसंबर को संसद में बताया था कि भारत में वैक्सीनेशन का आंकड़ा 220 करोड़ को पार कर चुका है। भारत में पहले और दूसरे डोज़ तो ज़्यादातर लोगों ने लगवा लिए हैं लेकिन बूस्टर अब तक केवल 27 प्रतिशत लोगों ने ही लगवाया है।

विपक्षी दलों ने यह भी कहा कि राहुल गांधी की यात्रा में उमड़ रही भीड़ को देखकर केंद्र सरकार घबरा गई है। सरकार बैक फुट पर आई और पूरे देश के लिए बुधवार दोपहर में एडवाइज़री जारी कर दी। कि मास्क पहनें और बूस्टर लगवाएँ। रंग चोखा।

दरअसल, जब सत्ता पक्ष कोई सभा या रैली करता है तब कोरोना का कोई एहतियात आड़े नहीं आता। ऐसे में विपक्षी समारोहों पर सत्तापक्ष या सरकार द्वारा कोई टिप्पणी की जाती है तो सरकार पर सवाल उठना लाज़मी हो जाता है।

निश्चित ही राहुल गांधी इतनी बड़ी यात्रा निकाल रहे हैं तो सावधानी तो कांग्रेस को बरतनी ही चाहिए और इस बारे में जो सरकार की हिदायतें हैं, उनका सौ प्रतिशत पालन इस यात्रा में भी होना ही चाहिए, लेकिन स्वास्थ्य मंत्री चिट्ठी लिखकर यात्रा रोकने की सलाह भी दे डालें तो यह बात थोड़ी अचरज भरी घटना के रूप में सामने आती है।

ठीक है, आप एडवाइज़री जारी कर रहे हैं तो उसका पालन भी करवाइए। यात्रा में शामिल जो व्यक्ति इसका पालन न करे, उस पर कार्रवाई करने का भी

ये बात और है कि यह चिट्ठी लिखने तक सरकार ने कोरोना को लेकर कोई एडवाइज़री जारी ही नहीं की थी। कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों ने जब सवाल उठाया कि जब कोई एडवाइज़री जारी ही नहीं हुई है, ऐसे में आप यात्रा को रोकने के लिए कैसे कह सकते हैं?

आपको पूरा अधिकार है, लेकिन यात्रा रोकने की सलाह आप कैसे दे सकते हैं, जब तक कि कोई गंभीर उल्लंघन आपको या आपकी मशीनरी को न दिखे!

वास्तव में इस चिट्ठी से राजनीतिक गंध आ रही है, ऐसा विपक्षी नेताओं का कहना है। विपक्षी तर्क सही भी नज़र आता है क्योंकि रैलियाँ और सभाएं पिछले दिनों और भी हुई हैं, उन पर रोक नहीं लगाई गई तो इस यात्रा को आप कैसे रोक सकते हैं?

मोटे अनाजों की बड़े पैमाने पर होगी खरीद-तोमर

नयी दिल्ली। कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने आज कहा कि सरकार पौष्टिक मोटे अनाजों के उपयोग को बढावा देने के लिए इस बार बड़े पैमाने पर इनकी खरीद की जायेगी और इसके लिए राज्यों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करायी जायेगी ।

श्री तोमर ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर मोटे अनाजों (ज्वार , बाजरा ,रागी आदि) की खरीद के लिए राज्यों को केन्द्र को प्रस्ताव भेजना होगा और उसके आधार पर उन्हें राशि उपलब्ध करायी जायेगी । राज्यों की ओर से जिन मोटे अनाजों की खरीद की जायेगी उसका वितरण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से करना होगा ।

उन्होंने बताया कि पिछले साल सात राज्यों ने 13 लाख टन मोटे अनाजों की खरीद की थी । इस बार और अधिक राज्यों को मोटे अनाजों की खरीद के लिए प्रोत्साहित किया जायेगा । उल्लेखनीय है कि वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मोटा अनाज वर्ष घोषित किया गया है ।

कृषि मंत्री ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य पर दलहनों और तिलहनों की भी खरीद की जा रही है जिससे किसानों को लाभकारी मूल्य मिल रहा है । दलहनों के मामले में देश लगभग आत्मनिर्भर हो गया है जबकि तिलहनों के उत्पादन बढाने के लिए कई कदम उठाये गये हैं ।

श्री तोमर ने 'एक देश एक राशन कार्ड' योजना और आधुनिक तकनीक से लोगों को हो रहे फायदे की विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि इससे कही भी लोग सार्वजनिक वितरण प्रणाली की दुकानों से अपना राशन आसानी से प्राप्त कर सकते हैं । इससे अपने राज्य के बाहर जा कर काम करने वाले लोगों को सार्वाधिक फायदा हो रहा है । उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली की पांच लाख से अधिक दुकानों में पॉस मशीने लगायी गयी है । इससे पारदर्शिता बढी है और फर्जी कार्ड का पता चला है ।

सहमति से सेक्स के लिए आयु सीमा घटाने पर हो रहा विचार? सरकार ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने संसद में एक सवाल के जवाब में साफ कर दिया है कि सहमति से संबंध बनाने यानी सेक्स करनी की उम्र की सीमा को घटाने के बारे में नहीं सोच रही है। सरकार ने राज्यसभा में बुधवार को कहा कि फिलहाल उसकी कोई योजना नहीं है। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने राज्यसभा को एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। उनसे पूछा गया था कि क्या सरकार सहमति से संबंध बनाने की आयु सीमा को मौजूदा 18 साल से घटाकर 16 साल करने पर विचार कर रही है? इस पर ईरानी ने कहा कि इसका सवाल ही नहीं उठता। मंत्री ने कहा कि बच्चों को यौन शोषण और यौन अपराधों से बचाने के लिए लागू किया गया यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम, 2012 स्पष्ट रूप से एक बच्चे को 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति के रूप में परिभाषित करता है। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर अंकुश लगाने और बच्चों के खिलाफ ऐसे अपराधों को रोकने के उद्देश्य से दोषियों को मृत्युदंड सहित कठोर सजा देने के लिए 2019 में अधिनियम में संशोधन किया गया था। मंत्री ने कहा, बच्चे द्वारा किए गए अपराध के मामले में, पोक्सो अधिनियम की धारा 34 उसके अपराध और विशेष अदालत द्वारा उम्र के निर्धारण के मामले में प्रक्रिया प्रदान करती है।

मैं साली से शादी कर चुका हूं पत्नी को आप संभालो, परिवारवाले के उड़े होश

स्मृति ईरानी ने कहा यदि विशेष अदालत के समक्ष कार्यवाही में प्रश्न उठता है कि क्या अपराध करने वाला व्यक्ति बच्चा है या नहीं, तो ऐसे प्रश्न का निर्धारण विशेष अदालत द्वारा ऐसे व्यक्ति की आयु के बारे में उसे संतुष्ट करने के बाद किया जाएगा और वह इस तरह के निर्धारण के कारणों को लिखित रूप में दर्ज करेगी। बाल विवाह संबंधी एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, मंत्री ने राज्यसभा को सूचित किया कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में बाल विवाह के सामने आए मामलों की संख्या में वृद्धि हुई है।

यूपी के मदरसों में शुक्रवार के बजाए रविवार को वीकली छुट्टी का प्रस्ताव, यूनिफार्म भी होगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अनुदानित, गैर अनुदानित मान्यता प्राप्त मदरसों में एक समान ड्रेस कोड और शुक्रवार के बजाए रविवार को साप्ताहिक अवकाश की व्यवस्था लागू किए जाने का प्रस्ताव लाया गया है। मंगलवार को यूपी.मदरसा शिक्षा परिषद की अशासकीय अरबी फारसी मदरसा, मान्यता, प्रशासन व सेवा विनियमावली 2016 में संशोधन के लिए बुलाई गई बैठक में यह प्रस्ताव लाया गया। परिषद के चेयरमैन डॉ. इफ्तेखार अहमद जावेद की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में कामिल व फाजिल की डिग्रियों की समकक्षता के लिए मदरसा बोर्ड को डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा दिए जाने, फाजिल के बाद मदरसा शिक्षक की पात्रता परीक्षा में बैठने की अनुमति दिए जाने का भी सुझाव दिया गया। मदरसों के शिक्षकों व शिक्षणेत्तर कर्मियों के निलम्बन, निष्कासन और अपील के संबंध में सभी के हित सुरक्षित करने के लिए नियम बनाए जाने, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के स्तर पर की जाने वाली कार्यवाही पर अंतिम निर्णय रजिस्ट्रार-निरीक्षक के स्तर से लिए जाने का प्रस्ताव भी बैठक में लाया गया। मदरसों में शिक्षण शुल्क के अलावा

आंशिक शुल्क लागू किए जाने, मदरसों का एकेडेमिक कैलेण्डर लागू किए जाने और जनवरी में शीतकालीन अवकाश की व्यवस्था किये जाने का भी प्रस्ताव लाया गया। परिषद के रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह ने यह जानकारी दी है। उधर, परिषद के चेयरमैन डा. इफ्तेखार जावेद ने कहा कि इन प्रस्तावों और सुझावों को आगे परिषद की बैठक में लाया जाएगा और उस पर सम्यक विचार के बाद ही निर्णय लिया जाएगा।

मैं साली से शादी कर चुका हूं पत्नी को आप संभालो, परिवारवाले के उड़े होश-आजमगढ़ जिले में एसआईटी की जांच में 219 मदरसे कागजों पर चलते पाने के मामले में अब कानूनी कार्रवाई होगी। उ.प्र.मदरसा शिक्षा परिषद के चेयरमैन डा. इफ्तेखार जावेद ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। इन 219 मदरसों में से 39 मदरसों को 2014-15 और 2015-16 में तत्कालीन सपा सरकार के कार्यकाल में मदरसा आधुनिकीकरण योजना के तहत सरकारी भुगतान भी किया गया। परिषद के चेयरमैन ने कहा कि यह सब पिछली सरकारों के पाप हैं जो अब खुलकर सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे सभी मामलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी और जिम्मेदारों को बख्शा नहीं जाएगा।

चीन के मुद्दे पर जब आडवाणी से चुपचाप मिले थे प्रणव मुखर्जी...किरण रिजिजू ने बताई 2005 की बात

नई दिल्ली। तवांग सेक्टर में चीनी और भारतीय सैनिकों की झड़प के बाद विपक्ष लगातार संसद में इस मुद्दे पर चर्चा की बात कर रहा था। इसी मांग को लेकर विपक्षी सांसदों ने लोकसभा से वॉकाउट कर दिया। वहीं सरकार की तरफ से कहा गया है कि रक्षा मंत्री ने सदन में बयान दे दिया है। सदन में पीयूष गोयल ने कहा कि यूपीए सरकार के समय ऐसे मुद्दों पर कभी चर्चा नहीं की गई। अब कानून मंत्री किरण रिजिजू ने कहा है कि 2005 में भी जब नियम 193 के तहत इसी तरह के मुद्दे पर चर्चा की बात कही गई थी तब उनसे कहा गया था कि यह अच्छी बात नहीं है और इस तरह के मुद्दों पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। रिजिजू ने कहा, जब चीन के प्रधानमंत्री भारत दौरे पर आए थे तब मैं विपक्ष में था। मैंने लोकसभा में सीमा विवाद को लेकर नियम 193 के तहत चर्चा करवाने की मांग की। उस समय प्रणव मुखर्जी विपक्ष के नेता थे। उन्होंने मुझे अलग से बुलाया और कहा, यह संवेदनशील मुद्दा है और संसद में चर्चा ठीक नहीं है। इससे आंतरिक तौर पर निपटना है। उन्होंने कहा कि मुखर्जी से बात के बाद उन्होंने चर्चा के लिए सदन में दबाव नहीं बनाया। बता दें कि 9 अप्रैल से 12 अप्रैल तक साल 2005 में तत्कालीनी चीनी प्रधानमंत्री वेन जियाबाओ भारत यात्रा पर थे। रिजिजू ने एक दूसरी घटना का जिक्र करते हुए कहा, इसके बाद जब 2006 में चीन के राष्ट्रपति भारत आने वाले थे तब अरुणाचल प्रदेश में सीमा पर और लद्दाख में भी घुसपैठ की कोशिश हुई। मैंने एक बार फिर सदन में चर्चा के लिए मुद्दा उठाया। मुखर्जी ने तब भी वही बात कही और कहा कि मुझे जिस बात की जानकारी चाहिए, व्यक्तिगत तौर पर दे दी जाएगी। मैंने कहा कि यह सब हमारे विपक्ष के नेता एलके आडवाणी पर निर्भर करता है। इसके बाद मुखर्जी ने आडवाणी से बात की और हमने फैसला किया कि सदन में इसपर चर्चा के लिए दबाव नहीं बनाया जाएगा। चीन के राष्ट्रपति हू जिंताओ 20 नवंबर से 23 नवंबर के बीच भारत यात्रा पर थे।

कोरोना के नए BF.7 वैरिएंट से चीन में बिगड़े हालात, बुखार और दर्द निवारक दवाओं के लिए भी भटक रहे लोग

नई दिल्ली। चीन में कोविड के नए BF.7 सब वैरिएंट की वजह से संक्रमण के मामलों में तेजी से उछाल आया है। वहां स्थिति साल 2020 जैसी होती दिख रही है। सभी अस्पतालों में कोविड संक्रमितों से बेड भरे पड़े हैं, जबकि फार्मेसी की दुकानों में जरूरी दवाएं कम पड़ रही हैं। हालात ऐसे हैं कि फ्लू जैसे लक्षणों को कम करने के लिए बुखार की दवाएं और दर्द निवारक दवाएं खरीदने के लिए भी चीन में लोगों को हाथ-पांव मारने पड़ रहे हैं। हॉन्गकॉन्ग, मकाओ, ताइवान और दूर-दराज के इलाकों में दवा की दुकानों पर टाइलेनॉल और एडविल के जेनेरिक संस्करण नहीं मिल रहे हैं। पूरे चीन में लोग दवा नहीं मिलने से हलकान हैं। सरकार ने कुछ स्थानीय फार्मेसियों को बिक्री सीमित करने का आदेश दिया है। नतीजतन लोग डिब्बाबंद

आड़ू खरीद कर घरेलू उपचार कर रहे हैं। इसकी भी दुकानों में किल्लत हो गई है। चीन की ये स्थिति संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा में बच्चों के दर्द निवारक दवाओं की कमी को दर्शाती है, जहां वायरस के प्रसार के कारण इन दवाओं की भारी मांग में तेजी देखी गई है। वहां भी कोविड ने बच्चों के श्वसन प्रणाली पर तेजी से आक्रमण किया है। चीन की मुख्य भूमि से अलग हांगकांग के स्वास्थ्य प्रमुख ने लोगों से बुखार और ठंड की दवाओं की जमाखोरी नहीं करने की अपील की है।

अमेरिकी न्यूज चैनल CNN के मुताबिक, वान चाई के वाणिज्यिक जिले में पांच दवाइयों की दुकानों पर पनाडोल नामक दवा, जो टाइलेनॉल का स्थानीय ब्रांड है, दो सप्ताह से उपलब्ध नहीं है। एक सेल्समैन के हवाले से कहा गया है कि स्थानीय लोगों ने चीन की मुख्य भूमि में अपने दोस्तों और रिश्तेदारों को भेजने के लिए थोक में इन दवाओं की खरीदारी कर ली है, इससे दवाओं की भारी किल्लत हो गई है। WHO को भेजे गए आंकड़ों के अनुसार 3 जनवरी 2020 से 21 दिसंबर 2022 की शाम 5 बजे तक चीन में कोरोना संक्रमण के 10,112,335 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से 31,431 लोगों की मौत इस संक्रमण की वजह से हो चुकी है। 28 नवंबर 2022 तक लोगों को वैक्सीन की कुल 3,465,113,661 खुराक दी जा चुकी है।

आफताब के बाद अब रियाज, लिव इन पार्टनर उर्वी को मुंबई में मौत के घाट उतारा

मुंबई। श्रद्धा वॉकर हत्याकांड की जांच अभी खत्म नहीं हुई और मुंबई से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां राजस्थान की एक युवती की लाश मिली है। परिजन आरोप लगा रहे हैं कि युवती के लिव-इन पार्टनर ने ही उसकी हत्या की है। फिलहाल, पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। नवंबर में श्रद्धा की हत्या का मामला सामने आया था, जहां उसके लिव इन पार्टनर आफताब पूनावाला ने बेरहमी से हत्या कर शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे।

शादी के दबाव में अपराध

खबर है कि राजस्थान की रहने वाली उर्वी वैष्णव मुंबई के होटल में नौकरी करती थी। वहीं, आरोपी रियाज खान जिम ट्रेनर का काम करता था। पुलिस का कहना है कि मृतका और आरोपी के संबंध थे। यहां आरोपी शादीशुदा था और युवती उसपर शादी का दबाव बना रही थी। कहा जा रहा है कि इसके चलते ही रियाज ने उर्वी को मौत के घाट उतार दिया और सुनसान जगह पर शव को ठिकाने लगा दिया।

परिवार ने लगाए आरोप

उर्वी के परिवार ने आरोप लगाए हैं कि उसके लिव-इन पार्टनर रियाज ने हत्या की है। साथ ही परिवार ने रियाज पर बेटी को धोखा देने के भी आरोप लगाए हैं। क्राइम ब्रांच की तरफ से की जा रही जांच में पता चला है कि कथित तौर पर प्रेमी ने ही युवती का कत्ल किया है। नवी मुंबई क्राइम ब्रांच ने आरोपी उसके साथी को हिरासत में ले लिया है।

क्या कहती है पुलिस

पुलिस उपायुक्त अमित काले ने बताया, यह घटना 12 दिसंबर 2022 की है। हमें पुल के पास 25-30 साल की युवती का शव मिला था। इसके बाद पनवेल पुलिस स्टेशन में हत्या का मामला दर्ज हुआ। नवी मुंबई क्राइम ब्रांच यूनिट 2 ने केस की जांच की और कुछ सबूत जुटाए। उन्होंने कहा, सबूतों से पता चला है कि युवती अपनी दोस्त के साथ सैंडल की दुकान में गई थी।

पुलिस अधिकारी ने कहा, जब मामले की गहन जांच की गई तो पता चला कि आरोपी जिम ट्रेनर के तौर पर काम करता है। जांच को आगे बढ़ाया गया और इलाके के कई जिम में तलाशी की गई और युवक घंसोली में मिला। हमने पहले मामले में साथी आरोपी को हिरासत में लिया। उसने हमें मुख्य आरोपी के बारे में जानकारी दी, जिसे बाद में गिरफ्तार कर लिया गया।

श्रद्धा के साथ अफताब ने की दरिंदगी

18 मई को श्रद्धा का मर्डर हो गया था। हालांकि, इस मामले ने मृतक के पिता की तरफ से दर्ज शिकायत के बाद नवंबर में तूल पकड़ा। शातिर आफताब ने दरिंदगी को छिपाने के लिए गर्लफ्रेंड श्रद्धा के शव के टुकड़े-टुकड़े कर दिए थे और धीरे-धीरे उन्हें फेंकता रहा। कहा जा रहा है कि आफताब ने फिजिकल एविडेंस को हटाने की पूरी कोशिश की, लेकिन डिजिटल सबूतों ने मामले की परतें खोलीं।

संपादकीय

दुनिया की फिक्र

ऐसे वक्त में जब दुनिया तमाम खेमों में बंटी है कनाडा के मांट्रियल में संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन यानी कॉप-15 में निर्णायक समझौते पर पहुंचना सार्थक प्रगति है। समझौते को लेकर 196 देशों ने सहमति जतायी है। यह भारत की मुहिम की सफलता मानी जा रही है कि तमाम लक्ष्यों का स्वरूप वैश्विक रखा गया है। साथ ही यह छूट भी दी गई है कि समझौते में शामिल देश अपनी प्राथमिकताओं, परिस्थितियों तथा क्षमताओं के अनुसार इसके प्रावधानों का अनुपालन करें। महत्वपूर्ण बात यह है कि सभी देश वर्ष 2030 तक धरती व समुद्र के तीस फीसदी हिस्से को प्रकृति के अनुरूप संरक्षित करेंगे। साथ ही खास बात यह कि कृषि के लिये दी जा रही उस सब्सिडी में पांच सौ अरब डॉलर की कमी लायी जायेगी जो हमारे जलवायु संकट को बढ़ाने में भूमिका निभाती है। ऐसे हालात में जब पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से मौसम में आये बड़े बदलावों से होने वाली क्षति से जूझ रही है, यह समझौता उम्मीद जगाने वाला है। दरअसल, अब तक जो विकसित देश जिम्मेदारी से बचने की कोशिश में रहते थे, वे अब क्लाइमेट चेंज के घातक प्रभावों को अपने देश में महसूस करने लगे हैं। यही वजह है कि उन्होंने समझौते के पक्ष में हामी भरी है। निस्संदेह इस समझौते के क्रियान्वयन को लेकर तमाम तरह के किंतु-परंतु जुड़े हैं, लेकिन फिर भी समझौते ने आगे की राह तो बनायी है। मौजूदा 17 फीसदी संरक्षित पृथ्वी के हिस्से को अगले सात वर्षों में तीस फीसदी तक ले जाना भी एक बड़ी चुनौती होगी। इसके लिये विकास के तौर-तरीकों व नीतियों में बदलाव की दरकार होगी। जिसके लिये विकासशील देशों व गरीब मुल्कों को अतिरिक्त धन जुटाना होगा। अब देखना होगा कि पर्यावरण सुधारने व कार्बन उत्सर्जन पर नसीहत देने वाले विकसित देश समझौते को लागू करने के लिये कितना आर्थिक योगदान देते हैं। संभव है ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों की आंच घर तक पहुंचने के बाद उनका रवैया बदले। बहरहाल, इस संकटकाल में भारत की पहल पर वैश्विक सहमति महत्वपूर्ण कही जा रही है। हमारी पहल पर सभी लक्ष्यों का वैश्विक स्वरूप रखा जायेगा ताकि सभी देश अपनी क्षमताओं व प्राथमिकताओं के आधार पर समझौते को क्रियान्वित कर सकें। बहरहाल, ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से दुनिया को बचाने के लिये तमाम राष्ट्र सजग-सहमत तो हुए हैं। यह अच्छी बात है कि विकासशील देशों में 2025 तक बीस अरब डॉलर व उसके बाद 2030 तक हर साल तीस अरब डॉलर की वित्तीय मदद की सहमति बनी है। इस बात को भी स्वीकारा गया कि जैव-विविधता संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा की जायेगी । निस्संदेह, इस कदम से उनका विस्थापन रोकने में मदद मिलेगी। दरअसल, भारी-भरकम विकास के नाम पर करोड़ों आदिवासियों का दुनिया में विस्थापन हुआ है। उन्हें उनके मूल अधिवास से ही खदेड़ दिया गया। उन्होंने औद्योगीकरण की बड़ी कीमत चुकाई है। निस्संदेह, यदि संपन्न राष्ट्र वर्ष 2030 तक जैव विविधता के लिये महत्वपूर्ण मानी जा रही तीस फीसदी भूमि व महासागरों की रक्षा के लिये ईमानदारी से सहयोग करेंगे तो यह दुनिया के तापमान को नियंत्रित करने में सहायक होगा। इससे खतरे में पड़ी खाद्य सुरक्षा शृंखला को बचाने व पेयजल के संकट को दूर करने में कामयाबी मिल सकती है। लगातार जलवायु परिवर्तन का संकट झेलती वैश्विक बिरादरी को स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि जैव विविधता के संरक्षण के बिना दुनिया का अस्तित्व संभव नहीं है। जिसको लेकर हमें संजीदगी दिखानी ही होगी। इसके अलावा दुनिया में खाद्यान्न की बर्बादी को पचास फीसदी घटाने का लक्ष्य भी एक रचनात्मक पहल होगी। इसके साथ ही पर्यावरण के लिये घातक कीटनाशकों के प्रयोग में कटौती पर जो सहमति बनी है, उसका भी सख्ती से अनुपालन हो। तभी यह समझौता जैव विविधता की दिशा में मील का पत्थर साबित हो सकता है। लेकिन यह तय है कि दुनिया को बचाने के लिये सरकारों के साथ ही नागरिकों के स्तर पर भी जागरूकता लानी जरूरी है। वैसे इस समझौते की सफलता के लिये कारगर निगरानी तंत्र भी होना चाहिए।

मुश्किल दौर पीछे छूटा

संसद में मंगलवार को कृषि मंत्रालय ने 'विशेष मिलेट्स लंच' का आयोजन किया। इसमें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला समेत सभी दलों के सांसदों ने मोटे अनाज से तैयार लजीज व्यंजनों का स्वाद लिया। बाजरा से बनी खिचड़ी, रागी ड़ोसा, रागी रोटी, ज्वार की रोटी, हल्दी की सब्जी, बाजरा खीर, बाजरा केक और चूरमा आदि व्यंजनों में शामिल थे। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय बाजरा (मिलेट्स) वर्ष घोषित किया है। इसी के स्वागत में संसद में कृषि मंत्रालय ने विशेष मिलेट्स लंच की मेजबानी की। गौरतलब है कि भारत ने स्वस्थ विश्व की परिकल्पना के तहत संयुक्त राष्ट्र से मोटा अनाज वर्ष घोषित करने की अपील की थी। भारत का यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया। दुनिया में पोषक अनाज का चलन बढ़ा तो पक्की बात है कि न सिर्फ लोगों के स्वास्थ्य पर अनुकूल असर पड़ेगा, बल्कि इसका लाभ भारत के उन लाखों किसानों को मिलेगा जो कम सिंचित क्षेत्रों में खेती करते हैं। बारिश ज्यादा न होने के कारण जलाभाव वाले क्षेत्रों में किसान मोटे अनाज की पैदावार ही ले पाते हैं। लोगों के खानपान में मोटे अनाज का शुमार नहीं होने कारण इन खाद्यान्नों की मांग ज्यादा नहीं रहती। ज्यादातर अनाज का इस्तेमाल पशु आहार में किया जाता है, और किसान को उसकी उपज का लाभकारी दाम मिलना तक मुश्किल हो जाता है। अच्छी बात है कि अब मोटे अनाजों को खानपान में शामिल करने के लिए इतने बड़े स्तर पर प्रयास हो रहे हैं। जरूरी है कि इस बाबत जनांदोलन चलाया जाए जिसका जिक्र प्रधानमंत्री मोदी ने भी किया है। उन्होंने कहा है कि जी-20 की विभिन्न बैठकों में आने वाले अतिथियों के भोज में कम से कम एक व्यंजन मोटे अनाज का होना चाहिए। आंगनवाड़ी, स्कूलों के साथ अन्य सरकारी बैठकों के मैन्यू में मोटे अनाज से तैयार व्यंजन शामिल करने की बात भी कही है। भारत में मोटे अनाज को प्रचलन में लाने के लिए प्रयास कोई हाल-फिलहाल में शुरू नहीं हुए हैं। भारत सरकार ने अप्रैल, 2018 में बाजरा को पोषक अनाज के रूप में अधिसूचित किया था। इसके तहत पोषण मिशन अभियान में बाजरा को भी शामिल कर लिया गया। मोटे अनाज में बाजरा प्रमुख फसल है। बहरहाल, मोटे अनाज को जिस तरह प्रचलन में लाने की कोशिश की जा रही हैग उसके दूरगामी लाभ मिलना निश्चित है।

चिंतन-मनन

अपने अंदर रहना ही ध्यान

जब हम दुखी होते हैं तो लगता है समय बहुत लम्बा है। जब प्रसन्न होते हैं तो समय का अनुभव नहीं होता है। तो प्रसन्नता या आनन्द क्या है? यह हमारी स्वयं की आत्मा है। यही आत्मतत्व शिव तत्व है या शिव का सिद्धांत है। प्राय- हम जब भगवान की बात करते हैं तो प्रत्येक व्यक्ति तुरन्त ऊपर की ओर देखता है। पर ऊपर कुछ नहीं है। प्रत्येक वस्तु हमारे अन्दर है। अन्दर की तरफ देखना या अपने अन्दर रहना ही ध्यान है। जब तुम अपने किसी नजदीकी व्यक्ति अपने मित्र या किसी अन्य की तरफ देखते हो तो तुम्हें क्या लगता है? तुम्हारे अन्दर कुछ-कुछ होता है। तुम्हें ऐसा अनुभव होता है कि कोई नई ऊर्जा तुम्हारे अन्दर से होकर प्रवाहित हो रही है। उन महान क्षणों को पकड़ो। यह वही महान क्षण हैं जो समयशून्य क्षण होते हैं। ईश्वर ने तुमको दुनिया में सभी छोटे-मोटे सुख व आनन्द दिया है लेकिन चरम आनन्द अपने पास रखा है। उस चरम आनन्द को प्राप्त करने के लिए तुम्हें उस ईश्वर और केवल ईश्वर के पास ही जाना होगा। अपने प्रयासों में निष्ठा रखो। जब तुम इस चरम आनन्द को प्राप्त करते हो तो बाकी प्रत्येक वस्तुएं आनन्दमय हो जाती हैं। ईश्वर को अच्छा समय दो इससे तुम पुरस्कृत होगे। यदि तुम्हारी प्रार्थना स्वीकार नहीं होती तो इसका मतलब है कि तुमने ईश्वर को अच्छा समय नहीं दिया है। सत्संग और ध्यान को अपनी सबसे ऊंची प्राथमिकता दो। भगवान को सबसे महत्वपूर्ण समय दो। इसका तुम्हें अवश्य ही अच्छा पुरस्कार मिलेगा। जब तुम भगवान से कोई वरदान प्राप्त करने की शीघ्रता में नहीं हो तब तुम्हें यह अनुभव होगा कि भगवान तुम्हारा है। सजगता या अभ्यास द्वारा तुम इसी बिन्दु पर पहुंच सकते हो।
ईश्वर या दैव तुम्हारा है। जब तुम यह जान जाते हो कि तुम पूरे ईश्वरीय सत्ता के ही एक अंश हो तो तुम उससे कोई मांग करना बन्द कर देते हो। तब तुम जानते हो कि तुम्हारे लिए सब कुछ किया जा रहा है। तुम्हारी देखभाल की जा रही है। मन में शीघ्रता या उतावलापन करना धैर्य की कमी होती है। आलस्य का मतलब आपके क्रिया-कलापों में सुस्ती होती है। इसका सही सूत्र मन में धैर्य और अपने क्रियाकलापों में तेजी होती है।

किसान दिवस : जब प्रधानमंत्री की कुर्सी तक जा पहुंचा एक किसान!

वेआगरा के फतेहपुरसीकरी विधानसभा और किरावली ब्लॉक के गांव सरसा में मुख्यमंत्री बनने के बाद आये थे। गांव में आने का उद्देश्य महज औचक निरीक्षण करना था। चौधरी चरण सिंह के साथ जिलाधिकारी भी थे। जब गांव में चौधरी चरण सिंह और जिलाधिकारी एक स्थान पर कुर्सी पर बैठे तो वहां कुछ बुजुर्ग किसान उन्हें खड़े दिखाई दिए । इस पर चौधरी चरण सिंह ने जिलाधिकारी को किसान के लिए कुर्सी छोडने को कहा। उन्होंने कहा कि इन किसानों को कुर्सी दो क्योंकि अधिकारी जनता का सेवक होता है मालिक नही। ऐसे थे अपने किसान नेता चौधरी चरण सिंह जिनकी यादे हमेशा जिंदा रहेगी और किसानों के लिए प्रेरणा देती रहेगी।

डॉ श्रीगोपाल नारसन

चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति में एक ऐसा नाम रहा हैजो अपनी सादगीईमानदारी और किसानों के मसीहा के रूप में जाना गया।पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक छोटे से गांव से उठकर प्रधानमंत्री की कुर्सी तक जा पहुंचना वह भी एक मामूली किसान के लिए कोई कम बड़ी बात नही है।हालांकि वे बहुत कम समय तक देश के प्रधानमंत्री रहे लेकिन जब तक रहे सिद्धांत के साथ थे।गाजियाबाद में जब वह वकालत करते थे तो एंबेसडर कार में चलाकर कचहरी जाते थे। वह जहाज़ पर उड़ने के ख़िलाफ़ थे और प्रधानमंत्री होने के बावजूद लखनऊ रेल से ही आया जाया करते थे। उनके सामने घर में अगर कोई अनावश्यक बल्ब जलता हुआ मिलता तो वह डांटते थे कि इसे तुरंत बंद करो। चौधरी चरण सिंह भारतीय राजनीति के ऐसे विराट व्यक्तित्व थे जिन्होंने देश से न्यूनतम लिया और देश को अधिकतम दिया।चौधरी चरण सिंह का जन्म सन1902 में उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले के नूरपुर गांव में एक किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने सन1923 में बीएससी की और आगरा विश्वविद्यालय से सन 1925 में एमएससी की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद एलएलबी की और गाजियाबाद से वकालत की शुरुआत की। बाद में वे मेरठ आ गये और कांग्रेस में शामिल होकर उन्होंने अपना राजनीतिक सफर को शुरू किया।

सन 1937 में छपरौली से उत्तर प्रदेश विधानसभा के लिए वह पहली बार चुने गए ।इसके बाद सन 1946 सन 1952 सन1962 एवं सन1967 में उन्होंने विधानसभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। वे सन1946 में पंडित गोविंद बल्लभ पंत की सरकार में संसदीय सचिव बने और राजस्व चिकित्सा एवं लोक स्वास्थ्य न्याय सूचना इत्यादि विभिन्न विभागों में कार्य किया। जून सन1951 में उन्हें राज्य के कैबिनेट मंत्री के रूप में नियुक्त किया गया और न्याय तथा सूचना विभाग का प्रभार दिया गया। बाद में सन 1952 में वे डॉ. सम्पूर्णानन्द के मंत्रिमंडल में राजस्व एवं कृषि मंत्री बने। अप्रैल सन1959 में जब उन्होंने पद से इस्तीफा दिया उस समय उन्होंने राजस्व एवं परिवहन विभाग का प्रभार संभाला हुआ था।
मुख्यमंत्री सी.बी. गुप्ता के शासनकाल में वे गृह एवं कृषि मंत्री थे। श्रीमती सुचेता कृपलानी की सरकार में वे कृषि एवं वन मंत्री रहे। उन्होंने सन1965 में कृषि विभाग छोड़ दिया एवं सन1966 में स्थानीय स्वशासन विभाग का प्रभार संभाल लिया।
कांग्रेस विभाजन के बाद फरवरी सन1970 में वे कांग्रेस पार्टी के समर्थन से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री

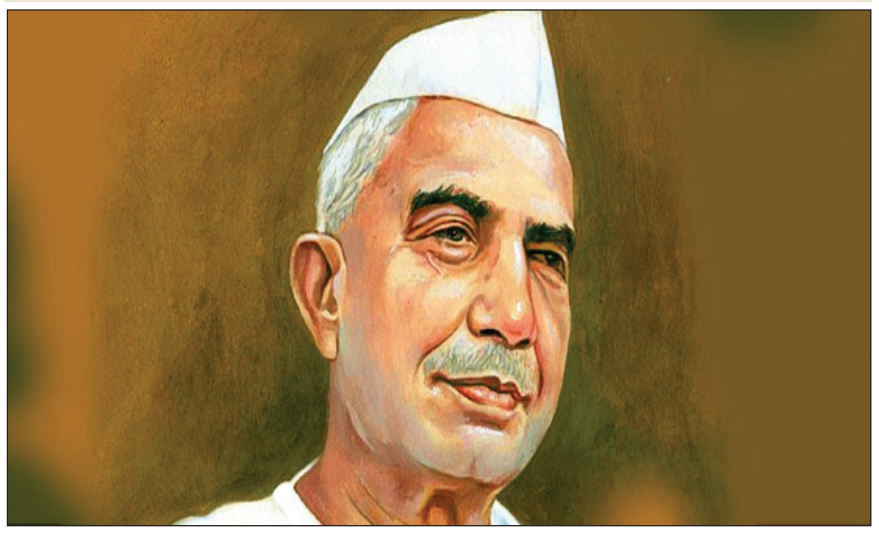

बने। हालांकि बाद में राज्य में 2 अक्टूबर सन1970 को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था।चरण सिंह ने विभिन्न पदों पर रहते हुए उत्तर प्रदेश की राजनीतिक सेवा की। उनकी ख्याति एक कड़क व ईमानदार नेता के रूप में हो गई थी । प्रशासन में अक्षमता भाई - भतीजावाद एवं भ्रष्टाचार को वे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करते थे।
उत्तर प्रदेश में भूमि सुधार का पूरा श्रेय उन्हें जाता है। ग्रामीण देनदारों को राहत प्रदान करने वाला विभागीय ऋणमुक्ति विधेयक 1939 को तैयार करने एवं इसे अंतिम रूप देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। उनके द्वारा की गई पहल का ही परिणाम था कि उत्तर प्रदेश में मंत्रियों के वेतन एवं उन्हें मिलने वाले अन्य लाभों को काफी कम कर दिया गया था। मुख्यमंत्री के रूप में जोत अधिनियम 1960 को लाने में भी उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। यह अधिनियम खेती की जमीन रखने की अधिकतम सीमा को कम करने के उद्देश्य से लाया गया था ताकि राज्य भर में इसे एक समान बनाया जा सके। देश में कुछ-ही राजनेता ऐसे हुए हैं जिन्होंने लोगों के बीच रहकर सरलता से कार्य करते हुए इतनी लोकप्रियता हासिल की । एक समर्पित लोक कार्यकर्ता एवं सामाजिक न्याय में दृढ़ विश्वास रखने वाले चौधरी चरण सिंह को लाखों किसानों के बीच रहकर प्राप्त आत्मविश्वास से काफी बल मिला।
चौधरी चरण सिंह ने अत्यंत साधारण जीवन व्यतीत किया और अपने खाली समय में वे पढ़ने और लिखने का काम करते थे। उन्होंने कई किताबें लिखी जिनमें 'ज़मींदारी उन्मूलन' 'भारत की गरीबी और उसका समाधान' 'किसानों की भूसंपत्ति या किसानों के लिए भूमि 'प्रिवेंशन ऑफ़ डिवीज़न ऑफ़ होल्डिंग्स बिलो ए सर्टेन मिनिमम' 'को-ऑपरेटिव फार्मिंग एक्स-रयेद्' आदि प्रमुख हैं।
उनका रौबीला व्यक्तित्व था जिसके सामने लोगों की बोलने की हिम्मत नहीं पड़ती थी।उनके चेहरे पर हमेशा परिपक्वता होती थी। वे हमेशा संजीदा बातचीत करते थे और बहुत कम मुस्कुराते थे। उन्हें कभी ठहाके मारकर हंसते हुए शायद ही किसी ने देखा हो।वह उसूलों के पाबंद थे और बहुत साफ़-सुथरी राजनीति के पक्षधर थे।
राष्ट्रीय आंदोलनो के दौरान वह महात्मा गाँधी और कांग्रेस की मिट्टी में तपे थे।सन1937 से लेकर सन1977 तक वह छपरौली - बागपत क्षेत्र से लगातार विधायक रहे. प्रधानमंत्री बनने के बावजूद उनके साथ किसी तरह का कोई लाव - लश्कर नही चलता था।
कोर्टपीस खेलने के शौकीन
चौधरी चरण सिंह से लोगों का रिश्ता दो तरह का हो सकता था - या तो आप उनसे नफ़रत कर सकते थे या असीम प्यार. बदले में आपको भी या तो बेहद गुस्सा मिलता था या अगाध स्नेह उनका व्यवहार कांच की तरह पारदर्शी और ठेठ देहाती बुजुर्गों जैसा हुआ करता था।
बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि वह संत कबीर के बड़े अनुयायी थे।कबीर के कितने ही दोहे उन्हें याद थे। वह धोती और कुर्ता पहनते थे और एचएमटी घड़ी बाँधते थे वह पूरी तरह शाकाहारी थे।
स्व. चौधरी चरण सिंह ने आगरा कॉलेज आगरा से एलएलबी किया था। वे आगरा कॉलेज के सप्रू हॉस्टल के रूम नंबर 27 में रहते थे। चौधरी चरण सिंह का रसोईया वाल्मीकि समाज से था। उनके साथ शिक्षारत विद्यार्थियों ने इस बात का विरोध किया लेकिन चौधरी चरण सिंह उस रसोइये के समर्थन में रहे उन्होंने कहा कोई उंचनीच नहीं होता । चौधरी चरण सिंह की इस सोच ने सबका दिल जीत लिया।
वेआगरा के फतेहपुरसीकरी विधानसभा और किरावली ब्लॉक के गांव सरसा में मुख्यमंत्री बनने के बाद आये थे। गांव में आने का उद्देश्य महज औचक निरीक्षण करना था। चौधरी चरण सिंह के साथ जिलाधिकारी भी थे। जब गांव में चौधरी चरण सिंह और जिलाधिकारी एक स्थान पर कुर्सी पर बैठे तो वहां कुछ बुजुर्ग किसान उन्हें खड़े दिखाई दिए । इस पर चौधरी चरण सिंह ने जिलाधिकारी को किसान के लिए कुर्सी छोडने को कहा। उन्होंने कहा कि इन किसानों को कुर्सी दो क्योंकि अधिकारी जनता का सेवक होता है मालिक नही। ऐसे थे अपने किसान नेता चौधरी चरण सिंह जिनकी यादे हमेशा जिंदा रहेगी और किसानों के लिए प्रेरणा देती रहेगी।
(लेखक किसानों के हितचिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार-मंथन

जय श्री राम और जय सियाराम पर राजनीति

सनत जैन

मध्यप्रदेश विधानसभा के अविश्वास प्रस्ताव के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष जय श्री राम और जय सियाराम के नारों से सदन गूंज उठा। कांग्रेस ने भगवान राम और सीता पर मंत्री मोहन यादव द्वारा किए आपत्तिजनक बयान को आधार बनाते हुए भाजपा पर निशाना साधा। भाजपा के वरिष्ठ विधायक रामेश्वर शर्मा के बयान के बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में माफी को लेकर तीखी नोकझोंक हुई। रामेश्वर शर्मा के इस कथन पर कि राम और सीता भाजपा के तो कांग्रेस का कौन। इस को लेकर विवाद बढ़ा और काफी देर तक सदन में पक्ष और विपक्ष के बीच में जमकर नारेबाजी होती रही। कांग्रेस माफी मांगने पर अड़ी रही।
जय श्री राम और जय सियाराम को लेकर अब हिंदू भी दो भागों में बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं। इसमें देशभर में एक नई राजनीति की शुरुआत हो गई है। भाजपा ने जय श्री राम के नाम पर शायद अपना पेटेंट करा लिया है। वहीं कांग्रेस ने भी उत्तर भारत में राम की सीता के साथ पूजा करने एवं उत्तर भारत में सभी वर्गों में अभिवादन में जय सियाराम सैकड़ों वर्षों से प्रचलित है। कांग्रेस ने इसी को आस्था के साथ जोड़कर अपना नारा बनाकर जय सियाराम को कांग्रेस का पेटेंट बना लिया है। इसे भाजपा स्वीकार नहीं कर पा रही है। कांग्रेस ने हिंदू समुदाय को अपने पक्ष में आकर्षित करने के लिए अब जय सियाराम के नारे लगाए जा रहे हैं।
भाजपा अब इस मामले में सतर्क हो गई है। कांग्रेस और भाजपा की नई राजनीति में राम और सीता भी अब बंटे हुए नजर आ रहे हैं। मध्य प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री मोहन यादव के विवादित बयान पर विजय लक्ष्मी साधो

ने प्रदेश सरकार से पूछा यह कौन सी संस्कृति है कि वह माता सीता को नहीं मानते हैं। भाजपा और आरएसएस के लोग जय श्री राम क्यों बोलते हैं। जय सियाराम क्यों नहीं बोलते। विधायक रामेश्वर शर्मा का यह कहने पर कि माता सीता श्रीराम और अयोध्या सब हमारे हैं। तुम्हारा क्या? रामेश्वर शर्मा के इस कथन पर विपक्ष भड़क गया। सत्तापक्ष से माफी मांगने के लिए कहा सत्ता पक्ष ने कहा हम माफी का मा भी नहीं कहेंगे माफी की बात तो बहुत दूर है।
कांग्रेस के इस सियासी दांव में भाजपा धीरे-धीरे फंसती हुई नजर आ रही है। पिछले 30 वर्षों में जय श्रीराम के नारे के साथ हिंदुत्व को लेकर भाजपा ने वह सब पाया जो उसने सोचा था। अब इसकी काट लगता है कांग्रेस ने निकाल ली है। कांग्रेस ने जय सियाराम को अपनाकर उत्तर भारत के सभी राज्यों मैं जहां अभिवादन के साथ-साथ जय सियाराम की पूजा मां सीता भगवान राम और हनुमान की पूजा एक साथ की जाती है। कांग्रेस अब राम सीता और हनुमान को लेकर हिन्दुत्व की राजनीति के नए पथ की ओर चल पड़ी है। भाजपा के कुछ नेता समय-समय पर विवादित बयान देकर कांग्रेस की राह को आसान बनाने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता कार्यकर्ता और आम जनता 80 फ़ीसदी से ज्यादा हिंदू है। भगवान राम सीता और हनुमान उनके भी आराध्य हैं। घरों-घर इनकी पूजा होती है। कांग्रेस ने एक संवेदनशील और मनोवैज्ञानिक दबाव भाजपा के ऊपर बनाना शुरू कर दिया है। भाजपा के नेता कांग्रेस की नई रणनीति को समझ नहीं पा रहे हैं। भाजपा ने 3 दशकों में कांग्रेस को हिन्दुओं का विरोध करने और मुसलमानों को संरक्षित करने की पार्टी बताकर हिन्दू विरोधी जो छबि बनाई थी कांग्रेस अब हिन्दुओं को अपने पक्ष में लाने के लिये सीता-राम और हनुमान को एक मंच पर लेकर आ रही है। इसका असर हिन्दू मतदाताओं को भी विभाजित करेगा। राम और सीता को लेकर नया विवाद जो शुरु हो गया है।

जलवायु परिवर्तन

जैव विविधता पर मंडराता खतरा

अनिरुद्ध गौड़

जलवायु परिवर्तन और मानवीय गतिविधियों के कारण पूरे विश्व में जैव विविधता खतरे में है। कनाडा के मॉंट्रियल शहर में 7 से 19 दिसम्बर तक आयोजित हुई कॉप 15 बायोडायवतसटी कॉन्फ्रेंस में संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटीनियो गुटेरेश सहित तमाम प्रतिनिधि देशों ने असंतुलित वैश्विक जैव विविधता पर चिंता व्यक्त की। करीब 196 देशों के प्रतिनिधियों को संयुक्त राष्ट्र ने कॉन्फ्रेंस ऑफ दी पार्टीज टू दी कन्वेंशन ऑन बायोलॉजिकल डायवतसटी (कॉप) घोषित किया है। 1994 से 1996 तक कॉप की सालाना बैठक होती रहीं। 2000 में आयोजन के नियम में संशोधन हुआ और यह बैठक प्रत्येक दो वर्ष में होने लगी।
कॉप-15 चीन के कुनिमंग और कनाडा के मॉंट्रियल में दो फेज में संपन्न हुई। इसमें 188 देशों के प्रतिनिधियों, अमेरिका सहित द वेटिकन ने जापान के आईची शहर में हुई कॉप की 11वीं बैठक (आईची-11) के लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए कॉप-15 में वैश्विक जैव विविधता के संरक्षण के 23 लक्ष्य और 4 उद्देश्य को निर्धारित किया है। ऐतिहासिक समझौते पर सहमति बनना पृथ्वी की प्रकृति के लिए मील का पत्थर साबित होगा बशर्ते सभी देश कॉप-15 में निर्धारित लक्ष्यों और उद्देश्यों के करीब पहुंचते हैं। वैश्विक जैव विविधता के मुद्दे पर पीछे मुड़कर देखें तो संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक मंच पर 1992 में रियो डी जेनेरियो में संपन्न अर्थ सम्मिट में वैश्विक जैव विविधता संरक्षण पर पहली बार चिंता जताई गई। फिर दिसम्बर, 1993 में कन्वेंशन ऑन बायोलॉजिकल डायवतसटी (सीबीडी) की अंतरराष्ट्रीय संधि पर विश्व के प्रतिनिधि देशों ने हस्ताक्षर कर इसे लागू किया। विश्व स्तर पर जारी आकलन रिपोर्ट में पशु और पौधों की लाखों प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं, जिसके पीछे इंसानी महत्वाकांक्षा है। हालांकि कॉप-15 में 2030 तक प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सुरक्षा से जुड़े उपायों में 30 प्रतिशत भूमि, तटीय इलाकों और अंतर्देशीय जलक्षेत्र के संरक्षण लक्षित हैं।
महत्वपूर्ण है कि वैश्विक जैव विविधता पर मंडराते खतरे से निपटने के लिए 2010 में आईची-11 में लगभग

200 देशों ने 2020 तक अपने स्तरीय क्षेत्र में कम से कम 17 प्रतिशत जमीनी और 10 प्रतिशत समुद्री हिस्से को संरक्षित करने का संकल्प लिया था। लेकिन 2020 तक इस लक्ष्य तक विश्व के काफी देश नहीं पहुंच सके हैं। इसलिए कॉप-15 में कुनिमंग-मॉन्ट्रियाल ग्लोबल बायोडायवतसटी फ्रेमवर्क (जीबीएफ) 2030 के लक्ष्य अर्थात 30 फीसदी भूमि, समुद्र, तटीय इलाकों और अंतर्देशीय जलक्षेत्र को संरक्षण करना कॉप देशों के लिए बड़ी चुनौती है। आइची-11 लक्ष्यों की समीक्षा करने पर पाया गया है कि भारत सहित दुनिया के काफी देश इस लक्ष्य तक पहुंचने में काफी दूर रहे हैं। भारत में 6 प्रतिशत संरक्षित क्षेत्र ही घोषित है और 2010 से पिछले दस वर्षों में भारत मात्र 0.1 प्रतिशत संरक्षित क्षेत्र ही बढ़ा पाया है। एशिया के अधिकतर देशों की कमोबेश ऐसी ही स्थिति है। भारत के आंकड़ों पर गौर करें तो देश के 1,73,306.83 वर्ग किमी. संरक्षित क्षेत्र में 990 संरक्षित क्षेत्रों का नेटवर्क है। इसमें 106 राष्ट्रीय उद्यान, 565 वन्य जीव अभ्यारण, 100 संरक्षण रिजर्व और 219 सामुदायिक रिजर्व शामिल हैं। हालांकि पिछले 10 वर्षों में 40 प्रतिशत एशियाई देशों ने संरक्षित क्षेत्रों में 17 फीसदी हिस्से के लक्ष्य को हासिल किया है। इनमें भूटान, नेपाल, जापान, कतर, दक्षिण कोरिया जैसे देशों ने संरक्षित क्षेत्र बढ़ाने में महती कामयाबी पाई है।
जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की सेवाओं का आकलन करने वाली अंतर सरकारी विज्ञान नीति मंच (आईपीबीईएस) की गत 6 मई, 2019 को जारी रिपोर्ट के मुताबिक जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की विभिन्न सेवाएं खतरे में हैं। वैश्विक आकलन के मुताबिक 10 लाख पशुओं और वनस्पतियों की प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। इनमें से हजारों एक दशक के भीतर ही विलुप्त हो जाएंगी। आईपीबीईएस अध्यक्ष रॉबर्ट वॉटसन की चिंता है कि तेजी से नष्ट हो रहे पारिस्थितिकी तंत्र पर सभी पूरी तरह से निर्भर है। हम पशु, खाद्य सुरक्षा और हमारी अर्थव्यवस्था की बुनियाद को नष्ट करते जा रहे हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में केवल 15 प्रतिशत पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली से ही विलुप्ति का यह खतरा 60 प्रतिशत तक कम हो सकता है। गौरव की बात है कि संयुक्त राष्ट्र ने भारत की पवित्र गंगा नदी को फिर से जीवंत करने की पहल पर काम करने के लिए नमामि गंगे की सराहना करते हुए उसे प्राकृतिक जगत को पुनर्जीवित करने पर केंद्रित 10 अग्रणी प्रयासों में स्थान दिया है।
आईपीबीईएस की रिपोर्ट ने दुनिया को चिंतित तो कर दिया है लेकिन वैश्विक दृढ़ प्रतिज्ञा हमें इस संकट से उबार सकती है। ग्रह और मानवता को बचाने के लिए तत्काल एक साथ आना होगा। विकसित देशों के विकासशील और गरीब देशों को आतथक और तकनीकी सहयोग देकर वैश्विक बायोडायवतसटी असंतुलन के संकट से उबरने में आगे आकर बड़े सहयोग की आवश्यकता है। तभी 2030 तक 30 प्रतिशत भूमि और समुद्र के संरक्षण के लक्ष्य को पाने में आसानी होगी।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को रुपये में गिरावट आई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 10 पैसे की गिरावट के साथ 82.80 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ। वहीं डॉलर के कमजोर होने तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों का निवेश बढ़ने से रुपए को कुछ हद तक बल भी मिला और उसकी गिरावट पर कुछ अंकुश लग गया। इससे पहले अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.76 के स्तर पर कमजोर खुला और कारोबार के अंत में यह 10 पैसे की गिरावट दर्शाता 82.80 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान रुपया 82.66 के उच्चस्तर और 82.83 के निचले स्तर पर पहुंचा। इससे पिछले कारोबारी सत्र में रुपया 82.70 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। इस बीच विश्व की छह प्रमुख मुद्राओं की तुलना में डॉलर की मजबूती को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 फीसदी नीचे आकर 104.06 रह गया।

इंडिग्रिड और जीआर इन्फ्रा में करार

मुंबई । अवसंरचना निवेश न्यास इंडिया ग्रिड ट्रस्ट (इंडिग्रिड) और जीआर इन्फ्राप्रोजेक्ट्स लिमिटेड (जीआरआईएल) ने 5000 करोड़ रुपए की चिह्नित बिजली पारेषण परियोजनाओं के लिए बोली लगाने के लिए समझौता किया है। कंपनी ने कहा कि इंडिया ग्रिड ट्रस्ट और जीआरआईएल ने भारतीय बिजली पारेषण क्षेत्र में रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इंडिग्रिड देश का पहला सूचीबद्ध अवसंरचना निवेश न्यास है। जीआरआईएल देश की विनिर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनियों में से है। बयान में कहा गया है कि चिह्नित शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली (टीबीसीबी) की 5000 करोड़ रुपए की पारेषण परियोजनाओं में संयुक्त रूप से बोली लगाने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। बिजली मंत्रालय ने हाल में अपने ऊर्जा बदलाव लक्ष्य के तहत 2030 तक 500 गीगावॉट की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के दृष्टिकोण के अनुरूप पारेषण ढांचे के निर्माण के लिए 250000 करोड़ रुपए के निवेश की योजना की घोषणा की थी। बयान में कहा गया है कि निजी क्षेत्र के लिए ऊर्जा परिवर्तन की यात्रा का हिस्सा बनने और बिजली परिदृश्य के भविष्य को आकार देने तथा लोगों के जीवन को समृद्ध करने के लिए एक यह बड़ा अवसर है।

एक्सप्रेस वे पर वृंदावन कट से बांके बिहारी मंदिर तक छह किलोमीटर का ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे बनायेगा यमुना प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा। अयोध्या और काशी के बाद अब उत्तर प्रदेश सरकार की नजर मथुरा की सांस्कृतिक धरोहर को बचाने की और अपनी राह बढ़ा ली है। अब वृंदावन और मथुरा से जुड़ी हुई सांस्कृतिक, धरोहर को पुनर्जीवित पीपीपी मॉडल के माध्यम से होगा। मथुरा वृंदावन भारतीय संस्कृति का एक बहुत बड़ा केंद्र है यहां पर एक हेरीटेज कॉरीडोर बनाने की योजना स्वीकृत की गई है। 12 सौ हेक्टेयर में यह बनाई जायेगी। यमुना एक्सप्रेस वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) यमुना एक्सप्रेस वे से बांके बिहारी मंदिर को सीधे जोड़ने के लिए ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे बनवाने जा रहा है। ये 100 मीटर चौड़ा होगा। यीडा के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने बताया कि इस ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के किनारे अपने कल्चरल हेरिटेज मथुरा के ब्रिज क्षेत्र को दिखाने के लिए एक पूरा एरिया विकसित किया जाएगा। वृंदावन से जुड़ी हुई और मथुरा से जुड़ी हुई जो हमारी सांस्कृतिक, फिलोसॉफिकल धरोहर है, उसे पुनर्जीवित करने की कोशिश की जा रही है। मथुरा में यमुना प्राधिकरण का एक अर्बन नोट स्वीकृत हुआ है उस को राया अर्बन नोट कहते हैं। जिसके अनुसार वहां पर एक हेरिटेज कॉरिडोर बनाने की योजना है। इसकी ग्लोबल टेंडरिंग होगी और पीपीपी मॉडल रखा जाएगा। एक्सप्रेस वे का खर्चा प्राधिकरण वहन करेगा और जो जो पीपीपी डेवलपर होगा वह बाकी चीजें उसके द्वारा की जाएंगी। इसके लिए जमीन प्रदेश सरकार उपलब्ध कराएगी। यमुना एक्सप्रेस वे से बांके बिहारी मंदिर को सीधे जोड़ने के लिए छह किमी लंबा ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस वे बनवाएगा।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

निवेशकों के 4.5 लाख करोड़ रुपए डूबे

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स करीब 1.03 फीसदी करीब 635.05 अंक नीचे टूटकर 61067.24 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 0.98 फीसदी तकरीबन 179.70 अंक फिसलकर 18205.60 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस पावर और रियल एस्टेट सेक्टर की कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा बिकवाली हावी रही। इससे निवेशकों को तकरीबन 4.5 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

वहीं गत कारोबारी सत्र में भी बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ था। यह सिलसिला आज भी जारी रहा। कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 में से 7 शेयर आज बढ़त के साथ बंद हुए। जिन 5 शेयरों में सबसे अधिक तेजी देखने को आई।

उसमें सन फार्मा एचसीएल टेक टीसीएस टेक महिंद्रा और नेस्ले इंडिया के नाम शामिल है। इन शेयरों में 0.49 फीसदी फीसदी से लेकर 1.73 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गयी। वहीं सेंसेक्स के कुल 23 शेयर आज नीचे आये। जिन 5 शेयरों में सबसे अधिक गिरावट देखने में आई उनमें टाटा मोटर्स अल्ट्राटेक सीमेंट मारुति सुजुकी बजाज फिनसर्व और इंडसइंड बैंक शामिल है। ये सभी शेयर 1.98 फीसदी से लेकर 2.37 फीसदी तक की गिरावट पर बंद हुए। जानकारों के अनुसार बाजार में गिरावट के साथ ही सभी कंपनियों का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन आज फिसलकर 282.87 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। जो पिछले कारोबारी दिन 287.39 लाख करोड़ रुपए था। इस प्रकार बीएसई में कुल मार्केट कैप में आज करीब 4.52 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

सोने में तेजी चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में सोने की कीमतें बढ़ी हैं। वहीं चांदी टूटी है। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमत में 59 रुपये का उछाल आया जबकि चांदी की कीमतों में आज 194 रुपये की गिरावट रही। सर्राफा बाजार में सोना 59 रुपये बढ़कर 55241 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। . वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 55182 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना तेजी के साथ 1815 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था. वहीं चांदी तेजी के साथ 23.94 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

नाटो प्रमुख को आईएमएफ का नेतृत्व करने की सलाह दी गई : रिपोर्ट

मोस्को।

नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के नए प्रमुख बन सकते हैं, नॉर्वेजियन टीवी 2 ब्रॉडकास्टर ने अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य ब्लॉक के भीतर विश्वसनीय स्रोतों का हवाला देते हुए यह सूचना दी है।आरटी ने टीवी 2 ने स्रोतों का हवाला देते हुए बताया कि निवर्तमान महासचिव वाशिंगटन-मुख्यालय संगठन का नेतृत्व करने के लिए अमेरिका के पसंदीदा हैं। वर्तमान में, फंड का नेतृत्व बल्गेरियाई अर्थशास्त्री क्रिस्टालिना जॉर्जीवा द्वारा किया जाता है, जिनका कार्यकाल 2024 में समाप्त होने वाला है। आरटी रिपोर्ट के अनुसार, कई मीडिया रिपोटरें ने सुझाव दिया है कि स्टोलटेनबर्ग सितंबर में नाटो छोड़ने के लिए तैयार थे, लेकिन यूक्रेन में चल रहे संघर्ष के बीच उनका कार्यकाल 2023 के अंत तक बढ़ा दिया गया था। स्पष्ट दृष्टि में पद के लिए कोई उत्तराधिकारी नहीं होने के कारण, स्टोलटेनबर्ग का कार्यकाल 2023 से आगे भी (संभावित रूप से एक और वर्ष के लिए) बढ़ सकता है । कई हाई-रैंकिंग राजनेताओं को कथित तौर पर सैन्य गुट के नए अध्यक्ष के रूप में माना जा रहा है। नाटो ने कथित तौर पर पहली बार एक महिला को अपने पतवार पर स्थापित करने का लक्ष्य रखा है, जिसमें स्लोवाकियाई राष्ट्रपति जुजाना कैपटोवा, एस्टोनियाई प्रधानमंत्री काजा कैलस और पूर्व क्रोएशियाई राष्ट्रपति कोलिंडा ग्रैबर-कितारोविक का नाम दावेदारों में शामिल है।

कैग रिपोर्ट : 198 सरकारी कंपनियों/निगमों को हुआ 2,00,419 करोड़ रुपये का घाटा

नई दिल्ली।

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में कहा गया है कि 31 मार्च, 2021 तक 198 सरकारी कंपनियों और निगमों को 2,00,419 करोड़ रुपये का घाटा हुआ और इनमें से 88 कंपनियों की कुल संपत्ति घाटे के कारण पूरी तरह खत्म हो गई।केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) की केंद्र सरकार (वाणिज्यिक) की सामान्य प्रयोजन वित्तीय रिपोर्ट-2022 की रिपोर्ट संख्या 27 गुरुवार को संसद में पेश की गई, जिसमें कहा गया है, 31 मार्च, 2021 तक इन कंपनियों का कुल शुद्ध मूल्य 1,13,894 करोड़ रुपये तक नकारात्मक हो गया था। इन 88 कंपनियों में से केवल 20 ने वर्ष 2020-21 के दौरान 973 करोड़ रुपये का लाभ कमाया। यह रिपोर्ट 453 सरकारी कंपनियों और निगमों (छह वैधानिक निगमों सहित) और 180 सरकार-नियंत्रित अन्य कंपनियों से संबंधित है। कम से कम 84 सीपीएसई (सरकार द्वारा नियंत्रित 23 अन्य कंपनियों सहित) जिनके खाते तीन साल या उससे अधिक समय से बकाया थे या परिसमापन के अधीन थे या पहले खाते देय नहीं थे, इस रिपोर्ट में शामिल नहीं हैं। सरकारी कंपनियों और निगमों द्वारा दाखिल रिटर्न पर आधारित रिपोर्ट में कहा गया है कि 251 सरकारी कंपनियों और निगमों ने 2020-21 के दौरान 1,95,677 करोड़ रुपये का लाभ कमाया, जिसमें से 72 प्रतिशत (1,40,083 करोड़ रुपये) का योगदान 97 सरकारी कंपनियों और निगमों द्वारा किया गया।

तीन क्षेत्रों - बिजली, पेट्रोलियम और वित्तीय सेवाएं। इन 251 सीपीएसई में इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) वित्तवर्ष 2019-20 में 224 सीपीएसई में 13.54 प्रतिशत की तुलना में वित्तवर्ष 2020-21 में 16.34 प्रतिशत था। सरकारी निवेश पर वास्तविक रिटर्न की दर (आरओआरआर) पर कैग की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस रिपोर्ट में शामिल 633 सीपीएसई में से 195 सीपीएसई में केंद्र सरकार का प्रत्यक्ष निवेश है। 173 सीपीएसई (58 सूचीबद्ध सीपीएसई और 115 गैर-सूचीबद्ध सीपीएसई) के संबंध में आरओआरआर की गणना 2000-01 से ऐतिहासिक लागत पर रिटर्न की पारंपरिक दर के साथ तुलना करने के लिए की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्तवर्ष 2019-20 में 46.78 प्रतिशत की ऐतिहासिक लागत पर वापसी की पारंपरिक दर की तुलना में आरओआरआर 17.52 प्रतिशत था। आरओआरआर ने 2006-07 तक बढ़ती प्रवृत्ति दिखाई है, जिसके बाद पिछले पांच वर्षों के दौरान इसमें गिरावट शुरू हुई। वित्तवर्ष 2016-17 में 10 प्रतिशत और 2020-21 तक 23 प्रतिशत की गिरावट रही। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि 112 सरकारी कंपनियों और निगमों ने वित्तवर्ष 2020-21 के दौरान 80,105 करोड़ रुपये का लाभांश घोषित किया।

इसमें से केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त/प्राप्ति योग्य लाभांश की राशि 36,982 करोड़ रुपये थी, जो सभी सरकारी कंपनियों और निगमों में केंद्र सरकार द्वारा कुल निवेश (5,12,547 करोड़ रुपये) पर 7.22 प्रतिशत रिटर्न का प्रतिनिधित्व करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तहत 10 सरकारी कंपनियों ने 28,388 करोड़ रुपये का योगदान दिया, जो सभी सरकारी कंपनियों और निगमों द्वारा घोषित कुल लाभांश का 35.44 प्रतिशत है।

रिलायंस रिटेल ने मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया का किया अधिग्रहण

- भारत में मल्टी-चैनल बी2बी कैश एंड कैरी की करीब 30 लाख ग्राहकों तक है पहुंच

नई दिल्ली ।

रिलायंस की सहायक कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) ने मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (मेट्रो इंडिया) में 100 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी खरीदने के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर किए। 2850 करोड़ रुपए का यह सौदा समापन समायोजन के अधीन है। देश में कैश-एंड-कैरी बिजनेस फॉर्मेट पेश करने वाली मेट्रो-इंडिया पहली कंपनी थी। कंपनी भारत में 2003 से काम कर रही है। लगभग 3500 कर्मचारियों वाली यह कंपनी 21 शहरों में 31 बड़े स्टोर चलाती है। भारत में मल्टी-चैनल बी2बी कैश एंड कैरी की पहुंच करीब 30 लाख ग्राहकों तक है जिनमें से 10 लाख ग्राहक अपने स्टोर नेटवर्क और ईबी2बी ऐप के माध्यम से सक्रिय तौर पर खरीदारी करते हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 में मेट्रो इंडिया ने 7700 करोड़ रुपए की बिक्री की जो भारत में उसका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस अे धिग्रहण के माध्यम से रिलायंस रिटेल को बड़े शहरों में प्रमुख स्थानों पर स्थित मेट्रो इंडिया स्टोर्स का एक विस्तृत नेटवर्क मिलेगा। जिससे रिलायंस रिटेल की बाजार में उपस्थिति मजबूत होगी। साथ ही पंजीकृत किराना और अन्य संस्थागत ग्राहकों का एक बड़ा आधार और एक बेहद मजबूत सप्लायर नेटवर्क भी मिलेगा।

रिलायंस रिटेल वेंचर्स की निदेशक ईशा अंबानी ने कहा कि मेट्रो इंडिया का अधिग्रहण छोटे व्यापारियों और उद्यमों के साथ सक्रिय सहयोग के माध्यम से साझा समृद्धि का एक अनूठा मॉडल बनाने की हमारी नई वाणिज्य रणनीति के अनुरूप है। मेट्रो इंडिया भारतीय बी2बी बाजार में अग्रणी और प्रमुख खिलाड़ी है और इसने एक ठोस मल्टी-चैनल प्लेटफॉर्म बनाया है। हमारा मानना है कि भारतीय व्यापारी और किराना ईको सिस्टम की हमारी समझ और मेट्रो इंडिया की नए स्टोर्स मिलकर छोटे व्यवसायों के लिए वरदान साबित होंगे।

सैमसंग नए आईपैड के लिए स्पेशल ओएलईडी पैनल कर रहा विकसित

सैन फ्रांसिस्को। सैमसंग कथित तौर पर विशेष ओएलईडी पैनल के विकास को प्राथमिकता दे रहा है जिसका उपयोग 2024 में कुछ आईपैड मॉडल में किया जाएगा।सैममोबाइल की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले, तकनीकी दिग्गज फुल-कट ओएलईडी पैनल बनाना चाहते थे, लेकिन आईपैड के लिए ओएलईडी पैनल की संभावित मांग को देखते हुए, सैमसंग ने टू-स्टैक टेंडेम ओएलईडी पैनल का विकास शुरू कर दिया है। ये पैनल कुछ एप्पल मैक्स में भी इस्तेमाल किए जा सकते हैं। टू-स्टैक टेंडेम ओएलईडी पैनल में एक के बजाय पिक्सल की दो लेयर्स शामिल हैं और यह हाइब्रिड तकनीक स्मार्टफोन, टैबलेट, स्मार्टवॉच, टीवी और लैपटॉप में उपयोग किए जाने वाले मौजूदा ओएलईडी पैनल की तुलना में हायर ब्राइटनेस और लंबा जीवन प्रदान करेगी। ओएलईडी पैनल का लाइफस्पेन छोटा होता है और बर्न-इन समस्याएँ होती हैं और एप्पल उन मुद्दों को नए पैनल के साथ हल करना चाहता है। एप्पल द्वारा उपयोग किए जाने वाले दो-स्टैक ओएलईडी पैनल फुल-कट ओएलईडी पैनल की तुलना में कम उन्नत हैं। व्यावसायिक दृष्टिकोण से, कंपनी को भविष्य में अधिक मांग वाले पैनल विकसित करने चाहिए। इसलिए, सैमसंग डिस्प्ले ने फुल-कट ओएलईडी स्क्रीन विकसित करना बंद कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सैमसंग पहली एप्पल वॉच के बाद से ही एप्पल को ओएलईडी पैनल सप्लाई कर रहा है। उसके बाद, उसने आईफोन के लिए ओएलईडी पैनल की आपूर्ति बढ़ा दी।

ममता सरकार ने 10.50 लाख साइकिलों का टैंडर दिया लुधियाना की साइकिल इंडस्ट्री में खुशी की लहर

इसके पहले तमिलनाडू और गुजरात सरकार जारी कर चुकी टेंडर

लुधियाना ।

लुधियाना की साइकिल बनाने वाली कंपनियों को ममता सरकार ने 10.50 लाख साइकिलों का सरकारी टैंडर जारी किया है। टैंडर के द्वारा साइकिलों की सप्लाई एवन साइकिल लिमिटेड हीरो साइकिल व हीरो इको टेक मिलकर करने वाले हैं। इसके आने से सबसे ज्यादा खुशी की लहर साइकिल पार्ट्स बनाने वाली कंपनियों में है जो इन कंपनियों को बतौर वैंडर माल सप्लाई करती है। कोविड के बाद से बंगाल दूसरा ऐसा राज्य है जिसने सरकारी टैंडर निकाल साइकिल इंडस्ट्री में नई जान फूंकी है। इसके पहले तमिलनाडू सरकार को लुधियाना की इंडस्ट्री 6.50 लाख साइकिल सप्लाई कर चुकी है। इसके साथ गुजरात सरकार की ओर से भी 3 लाख साइकिलों का टैंडर सेठ इंडस्ट्रीयल कार्पोरेशन और हीरो इको टेक को मिला है जिसकी सप्लाई की तैयारी जोरों पर चल रही है। कुल मिलाकर अब तक लुधियाना की इंडस्ट्री को 20 लाख साइकिल का सरकारी आर्डर आ चुका है। कोविड के बाद से सरकारी टैंडर पर राज्यों ने रोक लगा दी थी लेकिन अब फिर से टैंडरों ने वेटिंलेटर पर पहुंची छोटी साइकिल इंडस्ट्री को मैदान में दौड़ने के लायक तैयार कर दिया है। कोविड के बाद से साइकिल पार्ट्स की मांग में काफी गिरावट आ गई थी। इसकारण

कारोबारियों के माथे पर चिंता की साफ लकीरें देखी जा सकती थीं लेकिन अब टैंडरों ने उनके चेहरे पर नई रौनक ला दी है।

एलन मस्क की संपत्ति में गिरावट 24 घंटे में गंवाए 74 लाख

- मस्क की संपत्ति में आई गिरावट से उनका नेटवर्थ गिरकर 144 बिलियन डॉलर पहुंच गया

सेनफ्रांसिस्को ।

ट्विटर खरीदने के बाद से दुनिया के दूसरे अमीर कारोबार एलन मस्क की की संपत्ति में लगातार गिरावट हो रही है। टेस्ला किंग मस्क की संपे त्ति में गिरावट की रफ्तार इतनी ज्यादा थी कि उन्होंने 24 घंटे के भीतर ही 7.75 बिलियन डॉलर यानी करीब 642731137500 रुपये गंवा दिए। एलन मस्क को हाल ही में बड़ा झटका लगा। टेस्ला के शेयरों में इतनी मंदी आई कि शेयर 8 फीसदी तक गिर गए। एलन मस्क के लिए साल 2022 कुछ खास अच्छा नहीं रहा। उन्होंने ट्विटर क्या खरीदा अब वो उनके लिए गले का फांस बन गया है। ट्विटर खरीदने के बाद से मस्क के कारोबार को जोर का झटका लगा है। 20 दिसंबर का आंकड़ा देखें तो टेस्ला के शेयर में 8 फीसदी से अधिक की गिरावट आई और कंपनी के शेयर दो साल के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। टेस्ला के शेयरों में आई इस गिरावट के कारण मस्क को 24 घंटे में 7.75 बिलियन डॉलर और हर सेकेंड में 7439017 रुपए का नुकसान हुआ। मस्क की संपत्ति में आई इस गिरावट के बाद उनका नेटवर्थ गिरकर 144 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। उन्होंने सबसे अमीर शख्स का ताज भी गंवा दिया। टेस्ला के निवेशकों का कहना है कि मस्क ट्विटर को खरीदने के बाद कंपनी पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। टेस्ला के शेयर बेचने के कारण उनकी हिस्सेदारी भी कम हो गई है। ट्विटर के कारण वो अपनी बाकी कंपनियों पर पूरा फोकस नहीं कर पा रहे हैं। जिसके कारण बाकी कंपनियों को भारी नुकसान हो रहा है। अगर सिर्फ दिसंबर महीने की बात करें तो एलन मस्क की संपत्ति में रोज 2 बिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान हो रहा है। फोर्ब्स के आंकड़ों के मुताबिक 30 नवंबर तक उनकी संपत्ति 189 अरब डॉलर की थी जो 20 दिसंबर तो गिरकर 144 अरब डॉलर पर पहुंच गई।

पिछले 5 वर्षों में विभिन्न एयरलाइनों द्वारा 2,613 तकनीकी गड़बड़ी रिपोर्ट की गई: सरकार

नई दिल्ली। पिछले पांच वर्षों में देश में विभिन्न एयरलाइनों द्वारा कुल 2,613 तकनीकी खराबी की सूचना दी गई है, संसद में गुरुवार को यह जानकारी दी गई।नागरिक उड्डयन मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, इंडिगो एयरलाइन 885 ऐसी घटनाओं के साथ सूची में सबसे ऊपर है, जबकि स्पाइसजेट और विस्तारा ने वर्ष 2018 और 2022 के बीच क्रमशः 691 और 444 तकनीकी खराबी संबंधी घटनाओं की सूचना दी। जबकि एयर इंडिया (फ्लीट ए) ने ऐसी 361 घटनाओं की सूचना दी, वहीं एयर इंडिया (फ्लीट बी) ने 38 तकनीकी गड़बड़ी की सूचना दी। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री जनरल वी.के. सिंह (सेवानिवृत्त) ने एक लिखित जवाब में लोकसभा को बताया- विमान में फिट किए गए घटकों/उपकरणों की खराबी के कारण एक विमान तकनीकी खराबी का अनुभव कर सकता है, जिसे निरंतर सुरक्षित, कुशल और विश्वसनीय हवाई परिवहन सेवा के लिए एयरलाइनों द्वारा सुधार की आवश्यकता होती है। इन तकनीकी खामियों की सूचना उड़ान के चालक दल द्वारा कॉकपिट में श्रव्य/दृश्य चेतावनी प्राप्त करने या निष्क्रिय/दोषपूर्ण प्रणाली का संकेत मिलने पर या विमान के संचालन में कठिनाई का अनुभव होने पर दी जाती है। मंत्री ने सदन को सूचित किया कि विमान की फ्लाइट रिपोर्ट बुक में फ्लाइट क्रू द्वारा खराबी दर्ज की जाती है और उड़ान पूरी होने के बाद, विनिमार्ता के विमान अनुरक्षण नियमावली (एएमएम)/समस्या निवारण नियमावली में निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार विधिवत योग्य और टाइप रेटेड विमान रखरखाव इंजीनियर (एएमई) द्वारा इसकी जांच की जाती है। तत्पश्चात एएमएम में प्रक्रिया के अनुसार गड़बड़ी को ठीक किया जाता है और इसमें प्रतिस्थापन, परीक्षण, सर्विसिंग आदि शामिल हो सकते हैं। संतोषजनक सुधार के बाद, विमान को सेवा के लिए जारी किया जाता है और इस आशय की प्रविष्टि फ्लाइट रिपोर्ट बुक में की जाती है। बार-बार होने वाली खराबी/घटनाओं की रिपोर्ट के मामले में, यह एयरलाइन/ऑपरेटर की जिम्मेदारी है कि वह दोषों को कम करने के लिए ओईएम/निर्माता से संपर्क करें। जवाब में कहा गया कि नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने भारत में उड़ान भरने के लिए विमान के जीवन को निर्दिष्ट करने वाले दिशानिर्देश निर्धारित नहीं किए हैं।

ऑटो एक्सपो में मारुति सुजुकी लॉन्च करेगी दो नई एसयूवी

चेन्नई।

कार प्रमुख मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) सेगमेंट में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने की कोशिश कर रही है और अगले साल की शुरुआत में ऑटोएक्सपो में दो नए मॉडल लॉन्च करेगी। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी है।मार्केटिंग एंड सेल्स के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक शशांक श्रीवास्तव ने एक वीडियो कॉन्फ्रेंस में संवाददाताओं से कहा कि दो नई एसयूवी के अलावा, मारुति सुजुकी ऑटोएक्सपो में अपनी अवधारणा इलेक्ट्रिक एसयूवी और फ्लेक्स फ्यूल का भी प्रदर्शन करेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या लॉन्च की जाने वाली दो एसयूवी का उत्पादन टोयोटा किर्लोस्कर मोटर्स द्वारा किया जाएगा जैसा कि ग्रैंड विटारा के मामले में किया जा रहा है, उन्होंने कहा कि आगे के विवरण की घोषणा ऑटोएक्सपो में की जाएगी। श्रीवास्तव ने कहा कि दो नई एसयूवी मारुति सुजुकी को सेगमेंट में अपनी बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। सीएनजी से चलने वाली एसयूवी पेश करने की कंपनी की योजना के बारे में उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी के पोर्टफोलियो में सीएनजी मॉडलों की संख्या बढ़ रही है। कंपनी अधिक सीएनजी संचालित मॉडल पेश करना चाहेगी। श्रीवास्तव के मुताबिक, इस महीने खुदरा बिक्री अच्छी होनी चाहिए, जबकि उद्योग के लिए थोक संख्या करीब 275,000 इकाई होगी। सभी कार निर्माता चाहते हैं कि 2022

में बने मॉडल्स की संख्या कम हो। श्रीवास्तव ने यह भी कहा कि उद्योग के खिलाड़ी और मारुति सुजुकी भी जनवरी 2023 में अपनी कीमतें बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि कंपनी ने 40 साल पहले भारतीय परिचालन शुरू करने के बाद से 2.5 करोड़ वाहन तैयार किए हैं।

भारत/बांग्लादेश दूसरे क्रिकेट टेस्ट

भारत की मजबूत पकड़, पहली पारी में बांग्लादेश 227 पर ऑल आउट

-उमेश और अश्विन ने लिए चार-चार विकेट

मीरपुर (एजेंसी)। मोमिनुल हक के अर्धशतक से बांग्लादेश ने यहां भारत के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट में अपनी पहली पारी में 227 रन बनाये। भारत की ओर से तेज गेंदबाज उमेश यादव और स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चार-चार विकेट लिए। वहीं भारतीय टीम ने पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय तक बिना किसी नुकसान के 19 रन बना लिए थे।

बांग्लादेश ने आज सुबह टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी शुरु की पर मोमिनुल के अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाया। मोमिनुल ने 157 गेंदों पर 84 रन बनाए जिसमें 12 चौके और एक छक्का शामिल है। भारत की तरफ से उमेश ने 25 रन देकर चार ओर अश्विन ने भी 71 रन देकर इतने ही विकेट लिए। वहीं 12 साल बाद टेस्ट में वापसी करने वाले जयदेव उनादकट ने 50 रन देकर दो विकेट अपने नाम किये। बांग्लादेश की टीम ने अंतिम पांच विकेट 14 रन के अंदर ही खो दिये। वहीं भारतीय टीम की शुरुआत कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल ने की। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय राहुल 30 गेंदों पर तीन रन बनाकर खेल रहे थे जबकि शुभमन गिल ने 20 गेंदों पर नाबाद 14 रन बनाए।

इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल में विकेट लिए। बांग्लादेश के बल्लेबाज लंबी साझेदारी नहीं बना पाये। बांग्लादेश ने लंच तक दो विकेट के नुकसान पर 82 रन बनाए जबकि दूसरे सत्र में उसने तीन विकेट खोए और इस बीच 102 रन बनाये। 12 साल बाद वापसी कर रहे उनादकट ने बांग्लादेश के बल्लेबाजों पर दबावा बनाये रखा। पहले टेस्ट मैच में शतक लगाने वाले जाकिर हसन 15 के बाद उन्होंने मुशफिकुर रहीम 26 को आउट किया। भारत की ओर से गेंदबाजी की शुरुआत मोहम्मद सिराज और उमेश ने की। इसके बाद बदलाव के तौर पर उनादकट को गेंद मिली। इस तेज गेंदबाज ने शंटो और जाकिर दोनों को अपनी अंदर आती गेंदों से परेशान किया। बांग्लादेश की दूसरे सत्र में शुरुआत अच्छी नहीं रही तथा कप्तान शाकिब16 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। लिटन दास ने 25 रन बनाये। इस दौरान उन्होंने दो चौके और एक छक्का लगाया। उमेश ने तीसरे सत्र में मेहदी हसन मिराज 15 और फिर नुरूल हसन को 6 रनों पर ही पगबाधा आउट किया।

विश्व रैपिड और ब्लिट्ज शतरंज - अर्जुन , निहाल क्या करेंगे कमाल , महिलाओं मे वैशाली नई उम्मीद

अल्माटी , कजाकिस्तान (एजेंसी)। शतरंज के फटाफट फॉर्मेट रैपिड और ब्लिट्ज़ की विश्व चैंपियनशिप शुरू होने मे अब कुछ ही दिन रह गए है और ऐसे मे सबकी नजरे इस बार पर रहने वाली है की क्या कोई भारतीय इस बार विश्व खिताब अपने नाम कर सकता है ।विश्व चैंपियनशिप का आयोजन कजाकिस्तान के अल्माटी में 26 दिसंबर से होने जा रहा है और अब फीडे नें इसमें खेलने वाले खिलाड़ियों के नाम की घोषणा कर दी है ।

पुरुष भारतीय खिलाड़ियों में विदित गुजराती शीर्ष खिलाड़ी होंगे तो ब्लिट्ज़ में अर्जुन एरिगासी शीर्ष खिलाड़ी होंगे , इनके अलावा निहाल सरीन , पेंटाला हरीकृष्णा , डी गुकेश , सूर्या शेखर गांगुली ,एसएल नारायनन ,अरविंद चितांबरम प्रमुख खिलाड़ी होंगे जबकि महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी , द्रोणावल्ली हरिका ,वैशाली आर ,पद्मिनी राऊत , तानिया सचदेव और दिव्या देशमुख प्रमुख खिलाड़ी होंगी ।

विश्व रैपिड शतरंज का वर्तमान खिताब पुरुष वर्ग में उज्बेकिस्तान के अब्दुसत्तारोव नोदिरबेक तो महिला वर्ग में रूस की अलेक्जेंड्रा कोस्टेनियुक के पास है । ब्लिट्ज में वर्तमान विश्व खिताब पुरुष वर्ग में फ्रांस के मकसीम लागरेव और महिला वर्ग में बीबिसारा अस्सायुबाएवा के पास है । भारत से विश्वनाथन आनंद नें 2017 में पुरुष वर्ग में तो महिला वर्ग में कोनेरु हम्पी नें 2019 में विश्व रैपिड खिताब अपने नाम किया था ।

मैदान पर उतरते ही उनादकट ने बनाया नया रिकॉर्ड, दो मैचों में सर्वाधिक अंतर

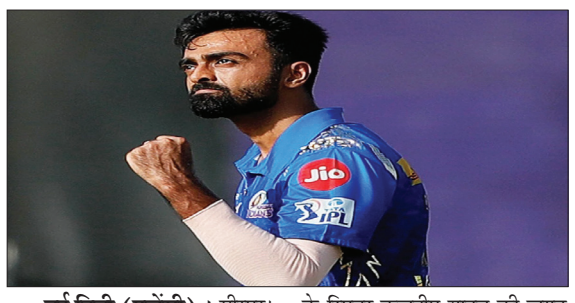

नई दिल्ली (एजेंसी) । मीरपुर। भारतीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने गुरुवार को यहां बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में मैदान पर उतरते ही एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया। वह सर्वाधिक टेस्ट मैचों से बाहर रहने वाले भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। उनादकट ने 12 साल पहले 16 दिसंबर 2010 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेंचुरियन में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। इसके बाद अब उन्होंने 118 टेस्ट मैचों में बाहर रहने के बाद टीम में वापसी की। यह भारत की तरफ से रिकॉर्ड है जबकि विश्व क्रिकेट में वह सर्वाधिक टेस्ट मैचों से बाहर रहने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे नंबर पर आ गए हैं। रिकॉर्ड इंग्लैंड के गैरेथ बैटी के नाम पर है जिन्हें दो टेस्ट मैचों के बीच 142 मैच तक इंतजार करना पड़ा था।

उनादकट को बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की जगह टीम में रखा गया है जिन्हें चटगांव में खेले गए पहले टेस्ट मैच में भारत की 188 रन की जीत के बाद मैन ऑफ द मैच चुना गया था। अपने करियर का दूसरा टेस्ट मैच खेल रहे उनादकट ने बांग्लादेश के खिलाफ सुबह के सत्र में सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन का विकेट लिया जिन्होंने पहले टेस्ट मैच में शतक लगाया था। उनादकट को चोटिलमोहम्मद शमी की जगह बांग्लादेश दौरे के लिए टीम में शामिल किया गया था। उन्हें सौराष्ट्र की तरफ से विजय हजारे ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने का इनाम मिला। सौराष्ट्र के कप्तान उनादकट ने विजय हजारे ट्रॉफी में 10 मैचों में सर्वाधिक 19 विकेट लिए थे। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने से पूर्व 96 प्रथम श्रेणी मैचों में 353 विकेट लिए थे।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम का ऐलान, इस तेज गेंदबाज की वापसी

लंदन (एजेंसी)। जनवरी से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए इंग्लैंड की 14 सदस्यीय टीम का ऐलान हो गया है। टीम में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की वापसी हुई है। तीन मैचों की श्रृंखला 6 दिनों में खेली जाएगी जिसमें ब्लोमफोंटेन और किम्बरली में मैच होंगे। श्रृंखला का पहला मैच 27 जनवरी को ब्लोम में होगा और अंतिम मैच 1 फरवरी को किम्बरली में होगा।

ससेक्स और इंग्लैंड के तेज गेंदबाज आर्चर मार्च 2021 के बाद पहली बार इंग्लैंड की टीम में लौटे हैं। वह कोहनी की चोट से ठीक हो रहे हैं और अगले महीने दक्षिण अफ्रीका में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करने की उम्मीद है। 2019 के एकदिवसीय विश्व कप जीत में इंग्लैंड के अग्रणी विकेट लेने वाले आर्चर ने आखिरी बार मार्च 2021 में इंग्लैंड के लिए भारत के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल दौरे में अपने देश के लिए खेला था।

फॉर्म में हैरी ब्रुक ने भी वनडे टीम में पहली बार स्थान हासिल किया। पाकिस्तान के खिलाफ 3-0 वाइटवॉश में टेस्ट सलामी बल्लेबाज के रूप में प्रभावित करने वाले बेन डकेट ने 2016 के बाद पहली बार वनडे टीम में वापसी की है। सरे के तेज गेंदबाज रीस टॉपले अपने बाएं टखने की चोट से अच्छी तरह से उबर रहे हैं और तीन मैचों की श्रृंखला के लिए तैयार होने की राह पर हैं। यॉर्कशायर के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने इस सर्दियों में इंग्लैंड की तरफ से खेलते हुए में प्रभावित किया है और उन्हें पहले वनडे के लिए टीम में स्थान दिया गया है। वह थ्री लॉयन्स के लिए अपने टेस्ट और आईटी20 कैप में शामिल होना चाह रहे हैं। जोस बटलर कुछ परिचित नामों और एक मजबूत तेज आक्रमण के साथ टीम का नेतृत्व करेंगे जिसमें कुछ ऑलराउंडर हैं। वापसी करने वाले आर्चर और टॉपले के अलावा टीम में ओली स्टोन, डेविड विली, सैम क्यूरन और क्रिस वोक्स हैं। जॉनी बेयरस्टो टी20 विश्व कप से पहले लगी चोट से उबर रहे हैं। दाविद मालन, जेसन रॉय, फिल सॉल्ट, हैरी ब्रूक और बेन डकेट टीम में शीर्ष क्रम के उपलब्ध विकल्प हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड की वनडे टीम : जोस बटलर (कप्तान), मोईन अली, जोफ्रा आर्चर, हैरी ब्रूक, सैम कुर्रन, बेन डकेट, डेविड मलान, आदिल राशिद, जेसन रॉय, फिल सॉल्ट, ओली स्टोन, रीस टॉपले, डेविड विली और क्रिस वोक्स।

रोहित की जगह टी20 और एकदिवसीय के कप्तान बन सकते हैं हार्दिक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के नियमित कप्?तान रोहित शर्मा को हटाकर उनकी जगह पर ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को टी20 और एकदिवसीय टीम का कप्तान बनाया जा सकता है। रोहित पिछले हुछ समय से फिटनेस ओर खराब फार्म की समस्या से जूझ रहे हैं। वह उंगुली में चोट लगने के कारण बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय से बाहर हो गये थे। एशिया कप और टी20 विश्व कप में टीम के खराब प्रदर्शन के बाद से ही रोहित की जगह पंड्या को कप्तान बनाये जाने की मांग होने लगी थी। रोहित पिछले काफी समय से रन नहीं बना पाये हैं जिसका कारण यह माना जा रहा है कि उनपर कप्तानी के कारण दबाव आया है। वहीं पंड्या ने टीम में वापसी के बाद से ही शानदार प्रदर्शन किया है। उनकी नेतृत्व क्षमता भी बेहतर नजर आयी है। इसके साथ ही उनका तालमेल भी साथी खिलाड़ियों से अच्छा है। उम्र भी उनके पक्ष में है। वह अभी 29 साल के हैं और उनके पास चार से पांच साल का समय है जबकि रोहित की उम्र 32 साल हो गयी है और उनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अधिक समय नहीं बचा है। ऐसे में इस ऑलराउंडर को टी20 के अलावा एकदिवसीय टीम की कप्तानी देने पर भी चर्चा हो रही है क्योंकि अगले साल एकदिवसीय विश्वकप भी होना है। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इस बारे में बोर्ड ने पंड्या से बात भी की है। अगले कुछ दिनों में इस पर फैसला भी हो सकता है।

भारत-पाक क्रिकेट के मामले में दोनों देशों की सरकारों से सलाह ली जानी चाहिए: सेठी

कराची (एजेंसी)। रमीज राजा को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) प्रमुख के पद से हटाए जाने के बाद नजम सेठी को बुधवार को अगले चार महीनों के लिए देश में खेल के मामलों को चलाने के लिए 14 सदस्यीय समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) मैनेजमेंट कमेटी के प्रमुख नजम सेठी ने गुरुवार को स्पष्ट किया कि जब भी भारत के साथ क्रिकेट संबंधों की बात चलेगी तो वह पाकिस्तान सरकार की सलाह पर काम करेंगे। भारत ने 2008 एशिया कप के बाद से पाकिस्तान की यात्रा नहीं की है, और उस वर्ष 26 नवंबर को मुंबई आतंकवादी हमले के बाद, 2009 की शुरुआत में निर्धारित द्विपक्षीय श्रृंखला रद्द कर दी गई थी।पाकिस्तान ने 2012 में छह मैचों की एक सफेद गेंद की सीरीज के लिए भारत की यात्रा की थी, लेकिन पिछले 10 वर्षों में दोनों देशों के बीच कोई द्विपक्षीय क्रिकेट नहीं हुआ है। दोनों टीमों ने केवल विभिन्न अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के टूर्नामेंट्स में एक-दूसरे के साथ क्रिकेट खेला है। सेठी ने लाहौर में संवाददाताओं से कहा, 'जब पाकिस्तान और भारत के बीच द्विपक्षीय और अन्य क्रिकेट संबंधों की बात आती है तो दोनों देशों की सरकारों से परामर्श किया जाना चाहिए।' अक्टूबर में एक विवाद छिड़ गया था, जब एसीसी अध्यक्ष और

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा था कि भारत अगले साल 50 ओवर के एशिया कप के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगा, जिसके बाद पीसीबी ने धमकी दी थी वह अगले साल भारत में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप में हिस्सा नहीं लेंगे।

आईपीएल नीलामी में स्टोक्स करेन सहित इन खिलाड़ियों को मिल सकती है मोटी रकम : रैना

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 सत्र के लिए कोच्ची में शुक्रवार को होने वाली मिनी नीलामी में कुल मिलाकर 405 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी। इस दौरान किस खिलाड़ी को सबसे ज्यादा रकम मिलेगी इसकी अटकलें लगायीं जा रही हैं। वहीं पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना के अनुसार इस नीलामी में ऑलराउंडर बेन स्टोक्स सैम करेन जोशुआ लिटिल के अलावा एन जगदीशन और जयदेव उनादकट पर सबसे बड़ी बोली लग सकती है। जगदीशन ने हाल में विजय हजारे ट्रॉफी में रिकार्ड पारी खेली थी जबकि उनादकट का पिछले कुछ समय के दौरान घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन रहा है। रैना ने मिनी नीलामी से पहले कहा। जगदीशन के पास क्रिकेट को लेकर अच्छा दिमाग है। वह बहुत ही चालाक बल्लेबाज है। उसने तमिलनाडु के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उससे सावधान रहना होगा। इसके अलावा उनादकट के पास भी आईपीएल में खेलने का अच्छा अनुभव है। रैना ने साथ ही कहा करेन ने इंग्लैंड के साथ-साथ चेन्नई सुपर किंग्स के लिए भी अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं स्टोक्स ने इंग्लैंड की हाल में ही अच्छी तरह से कप्तानी की है। जोशुआ ने भी हाल में . विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया था। करेन ने कई साल से अपने प्रदर्शन से सबका ध्यान खींचा है। उन्होंने इस साल टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' भी रहे।

भारतीय हॉकी टीम विश्व कप जीतने में सक्षम: दिलीप टिर्की

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने जमाने के दिग्गज खिलाड़ी और वर्तमान में हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की का मानना है कि भारतीय टीम के पास बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और वह 47 साल के बाद विश्व कप जीतने में सक्षम हैं। भारत ने अपना एकमात्र विश्व का 1975 में कुआलालंपुर में जीता था।

मेजबान होने के कारण भारत के पास भुवनेश्वर और राउरकेला में 13 से 29 जनवरी के बीच होने वाले विश्व कप में 'पोडियम' पर पहुंचने का सुनहरा मौका होगा। टिर्की ने कहा,''वर्तमान भारतीय पुरुष टीम आत्मविश्वास से भरी है और हाल के वर्षों में उन्होंने जिस तरह से प्रदर्शन किया है उससे प्रशंसक काफी खुश हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि वह विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।'

उन्होंने कहा,''मैं चाहता हूं कि वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें और पूरे आत्मविश्वास के साथ खेलें। हमारी टीम में कई अच्छे खिलाड़ी हैं।' वर्ष 2004 में पदमश्री पाने वाले टिर्की ने कहा,''मैंने अपना पहला विश्वकप 1998 में खेला था। यह मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है कि मैं विश्वकप टीम का हिस्सा रहा था। भारतीय टीम की कप्तानी करना भी शानदार अनुभव रहा।'

मीज राजा पीसीबी अध्यक्ष पद से बर्खास्त, 14 सदस्यीय पैनल ने संभाला जिम्मा

कराची (एजेंसी)। पाकिस्तान की सरकार ने पूर्व क्रिकेटर रमीज राजा को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष पद से हटाकर देश में अगले चार महीनों तक क्रिकेट का संचालन करने के लिए नजम सेठी की अगुवाई में 14 सदस्यीय पैनल नियुक्त किया है। पाकिस्तान सरकार ने बुधवार देर रात रमीज को बर्खास्त करने के संबंध में अधिसूचना जारी की। यह फैसला पाकिस्तान के इंग्लैंड के हाथों टेस्ट श्रृंखला में 0-3 से करारी हार के बाद लिया गया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने यह अधिसूचना जारी की जिसे कैबिनेट से मंजूरी मिलना बाकी है जो कि महज औपचारिकता है। पीसीबी के संरक्षक शरीफ ने रमीज को हटाकर सेठी की अगुवाई में नया पैनल नियुक्त किया है।

रमीज को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सितंबर 2021 में पीसीबी का अध्यक्ष नियुक्त किया था। वह 15 महीने तक इस पद पर रहे। एहसान मनी के पद छोड़ने के

बाद रमीज पीसीबी के 36वें अध्यक्ष बने थे। वह चौथे पूर्व क्रिकेटर थे जिन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनसे पहले जिन क्रिकेटरों ने यह पद संभाला था उनमें एजाज बट (2008-11), जावेद बुर्की (1994-95) और अब्दुल हफीज कारदार (1972-77) शामिल हैं। सेठी 2013 से 2018 तक पीसीबी के अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी रहे थे। उन्होंने 2018 के आम चुनावों में इमरान की पार्टी की जीत के बाद अपना पद छोड़ दिया था। न्यूजीलैंड के खिलाफ 26 दिसंबर से कराची में शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से कुछ दिन पहले घटे इस घटनाक्रम पर अभी तक पीसीबी या रमीज ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की है। अधिसूचना में कहा गया है प्रधानमंत्री ने पीसीबी के 2014 के संविधान की समीक्षा की और 2019 से लागू किए गए मौजूदा संविधान को रद्द कर दिया। अधिसूचना के अनुसार सेठी प्रबंधन समिति का नेतृत्व करेंगे जिसमें पूर्व पाकिस्तानी खिलाड़ी शाहिद अफरीदी, हारून रशीद, शफकत राणा और महिला टीम की पूर्व कप्तान सना मीर शामिल हैं। समिति के अन्य सदस्यों में 2019 में रद्द किए गए संचालन बोर्ड के पूर्व सदस्य शामिल हैं। पीसीबी के न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के लिए टीम की घोषणा करने के कुछ घंटों बाद यह अधिसूचना जारी की गई। न्यूजीलैंड की टीम 19 साल बाद टेस्ट श्रृंखला के लिए पाकिस्तान का दौरा कर रही है।

पेले का स्वास्थ्य बिगड़ा, गुर्दे और हार्ट भी प्रभावित

साओ पाउलो। कैंसर और सांस संबंधी परेशानियों के कारण अस्पताल में भर्ती दिग्गज फुटबॉलर पेले का स्वास्थ्य बिगड़ गया है और चिकित्सकों के अनुसार उनका कैंसर बढ़ गया है तथा उनके हृदय और गुर्दे भी प्रभावित हो गए हैं। साओ पाउलो के अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल ने बुधवार को बयान में कहा कि 82 वर्षीय पेले का कैंसर बढ़ गया है और उन्हें गुर्दे और हृदय संबंधी परेशानी भी है। अस्पताल ने बयान में इस तीन बार के विश्व कप विजेता खिलाड़ी की सांस संबंधी परेशानी के बारे में कोई जानकारी नहीं दी थी जो कि कोविड-19 के कारण बढ़ गई थी। पेले के नाम से मशहूर एडसन अरांतेस डो नेसिमेंटो पिछले कुछ समय से कैंसर से जूझ रहे हैं और सितंबर 2021 में उनकी आंत के ट्यूमर को हटाने के लिए ऑपरेशन किया गया था। अस्पताल या उनके परिवार में से किसी ने यह जानकारी नहीं दी कि क्या इससे उनके अन्य अंग भी प्रभावित हुए हैं या नहीं। पेले की बेटी केली नेसिमेंटो ने कहा कि यह महान फुटबॉलर क्रिसमस के दौरान अस्पताल में ही रहेंगे। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट में लिखा, 'हमने चिकित्सकों के साथ मिलकर फैसला किया है कि उन्हें अस्पताल में ही रखना उचित होगा।' पेले के रहते हुए ब्राजील ने 1958, 1962 और 1970 में विश्वकप जीता था। उन्होंने ब्राजील की तरफ से 77 गोल किए। उनके इस राष्ट्रीय रिकॉर्ड की हाल में विश्वकप के दौरान नेमार ने बराबरी की थी।

पाकिस्तान का दौरा किसी भी टीम के लिए लाभदायक रहेगा : आईसीसी

कराची । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि पाकिस्तान का दौरा करना किसी भी टीम के लिए लाभदायक रहेगा। आईसीसी के इस बयान से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर दबाव पड़ा है। अब तक बीसीसीआई सुरक्षा कारणों से पाक दौरे से इंकार करता रहा है पर अब लगता है कि आईसीसी भी पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के समर्थन में उतरता नजर आ रहा है। आईसीसी ने संकेत दिए हैं कि पाकिस्तान का दौरा करना अब किसी भी टीम के लिए फायदेमंद साबित होगा। आईसीसी के सीईओ ज्योफ एलार्डिस के कहा है कि पाक में अब अधिक से अधिक टेस्ट मैच खेले जाएं। इंग्लैंड ने रावलपिंडी मुल्तान और कराची में टेस्ट मैच खेले जिसमें बड़ी संख्या में दर्शक भी पहुंचे थे। इंग्लैंड ने इन तीनों मैचों में जीत दर्ज करके सीरीज में क्लीन स्वीप किया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने भी इस साल के शुरू में पाक का दौरा किया था। आईसीसी प्रमुख के अनुसार स्टेडियमों में बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने से टेस्ट प्रारूप में पाक के लोगों की रुचि का पता चलता है। एलार्डिस ने कहा'' पाक के प्रशंसक इस खेल को लेकर और अपनी टीम के प्रति जुनूनी है पर सबसे अहम बात यह है कि वे मेहमानों का स्वागत कर रहे हैं। पाक अब दो टेस्ट मैचों के लिए विश्व टेस्ट चैंपियन न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। इस श्रृंखला का पहला मैच 26 दिसंबर से कराची में खेला जाएगा। एलार्डिस को उम्मीद है कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसी टीमों के दौरों के बाद पाक में टेस्ट क्रिकेट और तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा'' पाक आईसीसी का महत्वपूर्ण सदस्य है। इसके साथ ही वहां प्रशंसक खेल देखने आ रहे हैं। यह सब पाक में नियमित रूप से क्रिकेट खेले जाने की दिशा में अहम कदम है। एलार्डिस के इस बयान से साफ है कि उन्होंने ना केवल पीसीबी की प्रशंसा की बल्कि सभी टीमों को यह भी संदेश दिया कि यहां दौरा करना किसी तरह से मुसीबत भरा साबित नहीं हो सकता। वहीं इंग्लैंड टीम के पाकिस्तान दौरे की सफलता से उत्साहित पीसीबी ने कहा कि है कि वे किसी भी टीम की पूरी सुरक्षा के साथ मेजबानी करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

फीफा रैंकिंग : विश्व कप जीतने के बावजूद अर्जेंटीना शीर्ष पर नहीं पहुंच पाया, इस टीम ने मारी रैंकिंग में बाजी

ज्यूरिख (एजेंसी)। विश्व कप में खिताब जीत के बावजूद अर्जेन्टीना गुरुवार को जारी फीफा विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं पहुंच पाया, जबकि ब्राजील की टीम अपना नंबर एक स्थान बरकरार रखने में सफल रही। कतर में हाल में संपन्न विश्व कप में ब्राजील को क्वार्टर फाइनल में क्रोएशिया के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी थी, लेकिन हाल के वर्षों के नतीजों से उसने इतने अंक जुटा लुए थे जो उसे रैंकिंग में शीर्ष पर रखने के लिए पर्याप्त थे।

अर्जेन्टीना की टीम नवीनतम रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से दूसरे स्थान पर है। फाइनल में अर्जेन्टीना के हाथों शिकस्त झेलने वाले फ्रांस भी एक स्थान के फायदे से तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। बेल्जियम की टीम दो स्थान के नुकसान से चौथे पायदान पर खिसक गई है। कतर में टीम इस एक मैच जीतने में सफल रही थी और ग्रुप चरण से ही बाहर हो गई थी। क्वार्टर फाइनल में शिकस्त झेलने वाले इंग्लैंड और नीदरलैंड क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर हैं। विश्व कप में तीसरे स्थान पर रही क्रोएशिया की टीम पांच स्थान के फायदे से सातवें नंबर पर पहुंच गई है। विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहने के बावजूद यूरोपीय चैंपियन इटली आठवें स्थान पर है। मोरक्को की टीम 11वें स्थान के साथ शीर्ष अफ्रीका की टीम है। उसे 11 स्थान का फायदा हुआ है। एशियाई परिसंघ की टीम में जापान 20वें स्थान के साथ शीर्ष टीम है और उसे नवीनतम रैंकिंग में चार स्थान का फायदा हुआ है। ऑस्ट्रेलिया की टीम 11 स्थान के फायदे से 27वें नंबर पर पहुंच गई है। दोनों टीम विश्व कप के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंची थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सर्दियों में सांस के रोगी रहें सचेत

सर्दियों में तापमान में कमी और वातावरण में प्रदूषित तत्वों की बढ़ी हुई मात्रा सेहत के लिए मुसीबत का कारण बन सकती है। सर्दियों का मौसम खासतौर पर सांस के मरीजों के स्वास्थ्य के लिए चुनौती बन जाता है। इस मौसम में सांस संबंधी दिक्कतें जैसे दमा, फ्लू और सर्दी-जुकाम के मरीजों की संख्या काफी बढ़ जाती है।

प्रदूषित कोहरे का दुष्प्रभाव

सर्दियों में होने वाला कोहरा (जो वायुमंडल की जलवाष्प के संघनित होने से बनता है) कमोबेश हानिरहित होता है, लेकिन धुएं और सस्पेन्डिड पार्टिकल्स (छोटे-छोटे प्रदूषित कणों) के इर्द-गिर्द जमने से बना स्मोग (प्रदूषित कोहरा) मानव शरीर और खासतौर पर श्वसन तंत्र के लिए किसी विपत्ति से कम नहीं होता। इस वजह से लोगों की आंखों में जलन, आंसू, नाक में खुजली, गले में खराश और खांसी जैसे लक्षण सामान्य तौर पर देखने को मिलते हैं। सर्दी बढ़ने के साथ ही सांस की नली की संवेदनशीलता तुलनात्मक रूप से बढ़ जाती है, जिससे सांस की नली सिकुड़ती है। इस कारण सांस के रोगियों में समस्या की आशंका बढ़ जाती है।

वृद्ध रहें सजग

वृद्धों में सांस संबंधी समस्याएं कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती हैं। दरअसल बुजुर्गों में रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण उन्हें सांस संबंधी बीमारियों का ज्यादा खतरा रहता है।

दमा या अस्थमा- वातावरण में किसी भी प्रकार के बदलाव से शरीर में परिवर्तन होता है, जिससे, एलर्जी और अस्थमा के रोगी मुख्य रूप से प्रभावित होते हैं। जाड़े में इन मरीजों की परेशानियां बढ़ जाती है। इसलिए उन्हें विशेष तौर पर अपना ख्याल रखने की सलाह दी जाती है।

फ्लू या इंफ्लूएंजा- यह समय फ्लू या इंफ्लूएंजा के वाइरस के सक्रिय होने का है। इस कारण फ्लू के मामलों में काफी वृद्धि हो जाती है। बच्चों, वृद्धों, गर्भवती महिलाएं और एच.आई.वी. से पीड़ित रोगियों में यह संक्रमण गंभीर रूप ले सकता है।

क्या करें

- सांस के रोगी खासकर दमा के मरीज न सिर्फ सर्दी से बचाव करें बल्कि नियमित रूप से डॉक्टर के संपर्क में रहें। डॉक्टर की सलाह से अपने इनहेलर की डोज भी दुरुस्त कर लें। कई बार इनहेलर्स की मात्रा बढ़ानी होती है।
- सर्दी से बचकर रहें। पूरा शरीर ढकने वाले कपड़े पहनें। सिर, गले और कान को खासतौर पर ढकें।
- सर्दी के कारण साबुन-पानी से हाथ धोने की अच्छी आदत न छोड़ें।
- गुनगुने पानी से नहाएं।
- सर्दी के मौसम में मालिश लाभप्रद है।
- सर्दी, जुकाम, खांसी, फ्लू और सांस की अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों को सुबह- शाम भाप(स्टीम) लेनी चाहिए।
- फ्लू के रोगी खांसते या छींकते समय मुंह पर हाथ रखें या रूमाल का प्रयोग करें।
- फ्लू के रोगियों द्वारा इस्तेमाल की गई वस्तुओं जैसे रूमाल व चादरों आदि को सुरक्षित विधि से साफ करें।
- अगर आप में फ्लू के लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर की सलाह लें और घर मे ही रहें।
- फ्लू पीड़ित से कम से कम 1 मीटर दूर रहें।
- हाथ मिलाने या गले मिलने से बचें, भारतीय पद्धति के अनुसार नमस्कार करें।

क्या न करें

- सर्दी में सांस के मरीजों को सुबह की सैर नहीं करनी चाहिए।
- सुबह ठंडे पानी से न नहाएं। सांस के रोगियों को अलाव के धुएं से बचना चाहिए, अन्यथा इससे उन्हें सांस का दौरा पड़ सकता है।

घर पर करें गोभी और मिर्च से रोगों का उपचार

जार्जटाऊन यूनिवर्सिटी मैडीकल सैंटर के शोधकर्ताओं के अनुसार फूलगोभी, पत्तागोभी तथा जलकुंभी परिवार की सब्जियों में एक प्रकार का पदार्थ पाया जाता है जो मानव एवं जानवर दोनों में फेफड़े का कैंसर रोकने में सहायक होता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार 'प्रेफेक्स' नामक एक ऐसा पदार्थ गोभी में पाया जाता है जो फेफड़े को कैंसरग्रस्त होने से रोकता है। यह पदार्थ सैक्स उत्तेजक भी होता है। इसी प्रकार मिर्च खाने से शरीर की चर्बी कट जाती है और वजन कम हो जाता है।

मिर्च की तासीर के कारण चर्बी बढ़ाने वाली कोशिकाएं खुद ब खुद नष्ट होने लगती है। ताईवान के शोधकर्ता चिन-लिन-शू के अनुसार मिर्च शरीर के चयापचय की प्रक्रिया को तेज करती है और यह मोटापे को कम करने के साथ ही कालरा तथा ब्रांकाइटिस जैसी बीमारियों का उपचार भी करती है।

गोभी और मिर्च से बहुत से रोगों का उपचार घर पर ही किया जा सकता है। आईए जानें कैसे

गोभी

1 गोभी में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को दरूस्त रखते हैं और पेट संबंधी रोगों से राहत देते हैं।
2 गोभी का सेवन करने से कैंसर जैसी भयानक बीमारी का खतरा कम होता है।
3 गोभी का सेवन मोटापे से निजात दिलाता है।
4 गोभी में कैल्शियम की भरपूर मात्रा पाई जाती है जो शरीर की हड्डियों के लिए काफी फायदेमंद होती है और दांतों को भी मजबूत बनाने में मददगार साबित होती है।

मिर्च

1 जब आप हरी मिर्च अपने दांत से चबाते हैं तो इसका तीखा अनुभव आपके मुंह में अधिक थूक पैदा करता है जो रक्त के थक्कों को घोलने में काफी सहायक होता है।
2 हरी मिर्चों में विटामिन सी की मौजूदगी शरीर को खांसी, जुकाम तथा श्वास संबंधी अन्य समस्याओं से बचाने में सहायता करती है।
3 हरी मिर्च में मौजूद विटामिन के ओस्टियोपोरोसिस के खतरे को कम करता है।
4 हरी मिर्च एक प्राकृतिक दर्द निवारक है और यह ओस्टियोआर्थराइटिस जैसी स्थितियों में इलाज में काफी लाभदायक होती है।
5 मोटापे से पीड़ित लोगों में कोलैस्ट्रॉल के स्तरों को कम करने में हरी मिर्चें काफी सहायक होती हैं।

मानव पर रंगों का प्रभाव

सफेद रंग हल्केपन एवं शीतलता का आभास देता है।

पीला रंग उत्फुल्लता, हल्केपन खुलेपन और गर्माहट का आभास देता है, नब्ज की रफ्तार तेज करता है परंतु आक्रामक प्रतिक्रिया भी पैदा कर सकता है।

बैंगनी रंग थकान और भारीपन का भ्रम उत्पन्न कर थकान, बोरियत या बोझ की अनुभूति करता है।

गहरा नीला रंग मस्तिष्क को विश्रांति देता है किन्तु दुख का बोध भी कराता है। गहरे नीले रंग से पूरा कमरा ठंडा एवं भरा-भरा प्रतीत होता है।

हरा रंग शांति एवं शीतलता का अहसास कराता है। आंखों से दबाव घटाकर नेत्र ज्योति तेज करता है। खून का दबाव भी सामान्य करता है। हल्का नीला रंग शीतलता व अलगाव द्वारा चैन देता है। काला रंग ओजस्विता कम करता है, अवसादकारक एवं उत्पीड़क बोझ देने वाला है। काले रंग पुते तल काफी बड़े प्रतीत होते हैं। भूरा रंग स्थायित्व, गर्म और मानसिक संतुलन बोधकारक होता है। सलेटी रंग को ठंडा, नीरसता व विरक्तिबोधक माना जाता है। श्वेत एवं नीले रंग के सम्मिश्रण को शीतलता और चैन का द्योतक कहा गया है। जामुनी रंग गर्म एवं उत्साहवर्धक माना गया है। लाल रंग गर्मजोशी, मनोबल बढ़ाता है, मगर देर तक हावी रहना थकान एवं धड़कन बढ़ाता है

ठंड में त्वचा रोगों से बचाव के घरेलु नुस्खे

1 सर्दी के मौसम में स्वस्थ त्वचा के लिए जरूरी है नियमित स्नान। भले ही आप प्रतिदिन न नहाएं परंतु हर दूसरे दिन नहाने का नियम बनाएं। जिस दिन नहीं नहाएं, उस दिन स्पंज करें तथा अंदर के कपड़े अवश्य बदलें। नहाने के लिए ठंडा-गर्म जैसा पानी चाहें, इस्तेमाल कर सकते हैं।
2 जाड़े में साबुन का प्रयोग ज्यादा न करें। नहाने से पहले पूरे बदन में तेल लगाएं। नहाने के बाद तेल या माश्चराइजर का उपयोग करें। पानी से करने वाले काम एक ही बार में निपटा लें। बार-बार पानी में हाथ न डालें। यदि पानी का काम करना जरूरी हो तो पहले हाथों में मलाई लगाएं। दस्ताने पहन कर काम करने से त्वचा सुरक्षित रहती है।
3 सर्दियों में धूप का नियमित सेवन करके चिलब्लेंस व डर्माटाइटिस जैसे रोगों से बचा जा सकता है। धूप में उतना ही बैठें जितनी देर आराम महसूस करें। अगर त्वचा लाल पडने लगे या सूजने लगे, तो धूप से हट जाएं। जिन्हें धूप से एलर्जी है उनके लिए सर्दी की धूप भी नुक्सानदायक है। ऐसे लोग धूप में कम निकलें। जब भी धूप में निकलें तो सिर पर स्कार्फ बांध लें या छतरी भी लगा सकते हैं।
4 हाथ-पैर की उंगलियों के सुन्न होने, खून का दौरा कम होने या त्वचा के फटने से बचने का सबसे अच्छा उपाय है संतुलित आहार। भोजन में दूध, दही और हरी सब्जियां खूब लें। विटामिन ए ज्यादा से ज्यादा लें। त्वचा के लिए गाजर का सेवन बहुत फायदेमंद है।
5 यूरिया आयंटमैंट त्वचा के फटने, सूजन और लाल होने वाली त्वचा के उपचार के लिए बहुत उपयोगी है। यह यूरिया से बनती है। इसको मलने से त्वचा काफी देर तक मुलायम बनी रहती है। इसके नियमित इस्तेमाल से त्वचा में होने वाले रोगों से बचा जा सकता है तथा त्वचा स्वस्थ रहती है।

कहीं आप भी खून की कमी का शिकार तो नहीं हो रहे

आज के भागदौड़ भरे जीवन में फास्ट फूड का प्रचलन बड़ रहा है। जिससे भोजन में पौष्टिक आहार की कमी के कारण आज प्रत्येक वर्ग के लोग खून की कमी से जूझ रहे हैं। जिसमें अधिकतर संख्या युवाओं की है जिसके कारण उन्हें कमजोरी आदि की शिकायतें होने लगी हैं। खून की पाई जाने वाली इस कमी को एनीमिया कहते हैं। एनीमिया का प्रमुख कारण सही प्रकार की डाइट न लेना है। पुरुषों में खून की मात्रा 14 से 18 ग्राम प्रति डैसीलीटर होनी चाहिए। वहीं महिलाओं में यह 12 से 16 ग्राम प्रति डैसीलीटर है। इससे कम मात्रा में पाए जाने वाले खून को एनीमिया कहते हैं। वैसे 10 ग्राम से अधिक खून वाले भी स्वस्थ रहते हैं, परंतु इससे कम खून वाले को अधिक से अधिक डाइट लेनी चाहिए।

एनीमिया की 3 स्टेज होती हैं, जिनमें प्रथम स्टेज को माइलड कहते हैं, जो 10 से 12 ग्राम होती है। वहीं 6 से 10 ग्राम को मोडरेट व 6 ग्राम से कम की स्थिति खतरनाक होती है। जिसे सीवियर एनीमिया कहते हैं।

एनीमिया अत्यधिक गंभीर रोग तब होता है जब हैपिटाइटिस बी, सी तथा एच.आई.वी. जैसे संक्रमण होते हैं। डाक्टरों का सुझाव है कि अधिक मात्रा में भी आयरन का सेवन नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि इससे हृदय संबंधी समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

कैसे करें खून की कमी पूरी

1 एनीमिया से निजात पाने के लिए बैलेंस डाइट जरूरी है। प्रोटीन, आयरन, फोलिक एसिड, विटामिन, मांस, मछली में ही नहीं दूध, हरी सब्जियां, मटर, फलियों तथा पत्तेदार सब्जियों, शीरा, गुड़, किशमिश, खजूर, सेब इन सबमें अलग-अलग रूप में मिल जाते हैं। इन तत्वों में खून बनने में सहायता मिलती है।

2 खाना खाने से पहले व बाद में आधे घंटे तक चाय का सेवन भी नहीं करना चाहिए। चाय खाने में मिलने वाले पौष्टिक तत्वों को डाइजेस्ट नहीं होने देती।

3 आयरन युक्त डाइट तभी फायदेमंद होती है, जब उसके साथ विटामिन सी का भी सेवन किया जाए। विटामिन सी के लिए अमरूद, आंवला और संतरे का जूस लें। वैसे तो बैलेंस्ड डाइट और हैल्दी लाइफ स्टाइल ही काफी है लेकिन फिर भी किसी कारण से एनीमिया हो जाता है तो प्रापर ट्रीटमैंट लेना आवश्यक है। डाक्टर की सलाह से ब्लड टैस्ट कराएं ताकि बीमारी का कारण पता चल सके। उसके बाद ही डाक्टर आपका सही ट्रीटमैंट कर सकेंगे।

रूखी त्वचा को कोमल बनाता है नारियल तेल

ठंड के कारण कई समस्याएं होती हैं. इस मौसम में त्वचा के रोग और सर्दी-जुकाम होना आम बात है. इन समस्याओं से निबटने के लिए प्रस्तुत हैं कुछ आसान घरेलू उपाय, जिनसे इन समस्याओं से निबटा जा सकता है.

- रूखी त्वचा से बचने के लिए नैचुरल मॉस्च्यूराइजर, जैसे- नारियल तेल लगाएं.
- शहद के साथ गुलाब जल मिला कर चेहरे पर लगाएं. इससे त्वचा में चमक आयेगी और चेहरा साफ होगा.
- स्नान से पहले नारियल तेल लगा लें, इससे चिकनाई और कोमलता आयेगी.
- नीबू का रस लगाएं. इसमें मौजूद विटामिन-सी चेहरे की चमक बनाये रखती है.
- सर्दी के मौसम में विटामिन की कमी के कारण होठ फटने लगते हैं, इसलिए टमाटर, गाजर, साबूत अनाज और फल-सब्जियों का सेवन करें.
- नारंगी के छिलके के पाउडर में शहद मिला कर लगाने से त्वचा निखरती है.
- जितना हो सके, आहार में विटामिन-इ युक्त खाद्य पदार्थो, जैसे- पालक, बादाम, कद्दू आदि का सेवन करना बेहतर होता है.

सेहत का खजाना है पालक

हरी सब्जियों में पालक का नाम सबसे ऊपर है. यह शरीर के लिए काफी फायदेमंद है. इसमें शरीर के लिए आवश्यक अमीनो एसिड, विटामिन ए, फोलिक एसिड, प्रोटीन और लौह तत्व भरपूर मात्र में होते हैं. इसके सेवन कई रोगों से भी छुटकारा मिलता है.

यह हरी पत्तेदार सब्जी गुणों से भरपूर है. पोषक तत्वों की प्राप्ति के लिए इसका नियमित सेवन बेहतर माना जाता है. पालक में विटामिन ए और सी प्रचुर मात्र में होते हैं. इसके अलावा विटामिन बी कॉम्पलैक्स, फोलिक एसिड, मैग्नीशियम की भी प्रचुरता होती है. शोध के अनुसार एक कप पालक से दिन भर की मैग्नीशियम की जरूरत का 40 प्रतिशत प्राप्त हो जाता है. मधुमेह पीड़ित लोगों के लिए भी पालक अच्छा विकल्प है. दही के साथ कच्चे पालक का रायता बहुत ही स्वादिष्ट और गुणकारी होता है.

इन रोगों से बचाता है -

ऑस्टियोपोरोसिस - खनिज तत्वों की प्रचुरता के कारण यह हड्डियों को मजबूत बनाता है और ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखता है.

आंखों की रोशनी - पालक मैकुलर डिजेनरेशन का जोखिम भी कम करता है. मैकुलर डिजेनरेशन 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में अंधेपन का मुख्य कारण है. इसके अलावा, विटामिन ए की कमी से रतौंधी और आंखों की रोशनी में कमी जैसे लक्षण उत्पन्न होते हैं.

शरीर की क्षतिपूर्ति में सहायक - प्रचुर मात्र में मौजूद फोलेट डीएनए और कोशिकाओं की सामान्य क्षति को पूरा करता है और इससे शरीर स्वयं अपने नुकसान की भरपाई कर लेता है.

एंटीऑक्सीडेंट - यह शरीर में उपापचय व अन्य सामान्य क्रियाओं के दौरान बननेवाले फ्री-रेडिकल्स से लड़ने में सहायक है. फ्री रेडिकल्स कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और कैंसर तथा हृदयरोगों के कारण बन सकते हैं.

वजन घटाने में सहायक - इसमें फाइबर प्रचुर मात्र में होता है, इसलिए यह मोटापा घटाने के इच्छुक लोगों के लिए आदर्श आहार है. सलाद, सब्जी और जूस में पालक का ज्यादा-से-ज्यादा उपयोग बेहतर होता है.

पोस्टमेनोपॉजल सिंड्रोम - पालक में मौजूद मैग्नीशियम पीएमएस के लक्षणों में कमी लाता है. इस अवस्था में पेट फूलने जैसी शिकायतों से बचने के लिए पालक बेहतर विकल्प है.

प्रतिरक्षा प्रणाली बनाता है मजबूत - पालक में मौजूद पोषक तत्व प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाते हैं और शरीर को सामान्य संक्रमणों से बचाते हैं.

बालों को मिले मजबूती - इसमें बालों के लिए आवश्यक विटामिन भी विशेष मात्र में होते हैं. बाल झड़ने से परेशान लोगों को कच्चे पालक का सेवन करना चाहिए.

ये लोग न करें सेवन - पालक में कैल्शियम और फॉस्फोरस होता है, जो मिल कर कैल्सियम फॉस्फेट बनाता है. यह पानी में घुलता नहीं है, जिससे पथरी बन जाती है. इसलिए पथरी के रोगियों को सिर्फ पालक की सब्जी नहीं खानी चाहिए. पालक और हरी पत्तेवाली मेथी मिला कर साग बना कर खाने से पथरी नहीं बनती है. कच्चे पालक के रस के सेवन करने से भी पथरी नहीं होती है.

चीनी सेना ने 24 घंटे के भीतर 39 लड़ाकू विमान और तीन पोत ताइवान भेजे

ताइपे । चीनी सेना ने शक्ति प्रदर्शन के तहत 24 घंटे के भीतर 39 लड़ाकू विमान और तीन पोत ताइवान की ओर भेज दिए हैं। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। चीन स्वशासित ताइवान को अपना क्षेत्र बताता है। चीन ने हाल के वर्षों में ताइवान को लेकर आक्रामक रुख अपनाया है। चीन की सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने लगभग रोजाना ही ताइवान की ओर विमान व पोत भेजे हैं। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के अनुसार बुधवार सुबह छह बजे से गुरुवार सुबह छह बजे के बीच 30 चीनी विमानों ने ताइवान जलडमरूमध्य सीमा को पार किया जो चीन और ताइवान को अलग करती है। मंत्रालय ने बताया कि इन विमानों ने ताइवान के दक्षिण-पश्चिम की तरफ उड़ान भरी और फिर दक्षिण-पूर्व की ओर चले गए। इन लड़ाकू विमानों में 21 जे-16 लड़ाकू विमान चार एच-6 बमवर्षक विमान और दो अन्य विमान शामिल थे।

कोरोना की आहट के बीच पाकिस्तान का खजाना हुआ खाली दवाओं की किल्लत

-रॉ मटैरियल या रेडीमेड मेडिसिन खरीदने के भी पैसे नहीं

इस्लामाबाद । चीन के दम पर गीदड़भभकी देने वाले पाकिस्तान की कोरोना की आहट से पहले ही फिर से हालत पस्त होती दिख रही है। पाकिस्तान में न केवल दवाओं को लेकर हाहाकार मचा हुआ है बल्कि उसका खजाना खाली हो गया है। पाकिस्तान में जीवन रक्षक दवाओं की किल्लत हो चुकी है। हालात इतनी खराब हैं कि डायबिटीज के मरीजों के लिए इंसुलिन तक मिलना मुश्किल हो गया है। दरअसलपाकिस्तान के खजाने में केवल 6.7 अरब डॉलर हैं शाहबाज सरकार की मजबूरी ऐसी कि इन्हें भी वहां खर्च नहीं कर सकती क्योंकि ये पैसा दूसरे देशों ने बतौर गारंटी डिपॉजिट कराया है। यही वजह है कि पाकिस्तान भारत सहित दूसरे देशों से रॉ मटैरियल या रेडीमेड मेडिसिन भी नहीं खरीद पा रहा है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान न केवल सामान्य दवा बल्कि मधुमेह रोगियों यानी डायबिटीज के मरीजों के लिए इंसुलिन की कमी का सामना कर रहा है कराची में मेडिकल मार्केट में दवाओं की कमी की वजह से हाहाकार मचा है। पाकिस्तान में जो दवाएं मौजूद हैं उनकी एक तरह से कालाबाजारी हो रही है। दवा दोगुनी कीमत पर बिक रही है। इतना ही नहीं मार्केट में घटिया स्तर की दवाओं की भी भारमार हो चुकी है। पाकिस्तानी फार्मा इंडस्ट्री का कहना है कि अगर जल्द ही मेडिसिन अथवा इसके रॉय मैटेरियल का इम्पोर्ट शुरू नहीं किया गया तब पाकिस्तान में हालात बेहत खराब हो सकते हैं और दवा के लिए चारों ओर हाहाकार मच जाएगा। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि पाकिस्तान में दवाओं को अत्यधिक कीमतों पर बेचा जा रहा है। पाकिस्तान में मौजूदा समय में स्थिति यह है कि घरेलू दवा कंपनियां कालाबाजारी में जुट चुकी हैं जबकि कई विदेशी कंपनियों ने निवेश की तुलना में कम मुनाफे की वजह से पाकिस्तान से अपना बोरिया-बिस्तर समेट लिया है। इस तरह पाकिस्तान में दवा की लिए हाहाकार की दो वजहें हैं एक कालाबाजारी और दूसरा मेडिसिन का इम्पोर्ट न होना। पाकिस्तान में नकली और घटिया दवाओं की भी बड़ी खेप उतार दी गई है। दावा किया गया हैं कि दवा कंपनियों को एलसी यानी लाइन ऑफ क्रेडिट की कमी से जूझना पड़ रहा है। पाकिस्तान में दवा कंपनियों के लाइन ऑफ क्रेडिट (इम्पोर्ट के लिए फंड) नहीं खुलने से दवा का उत्पादन बंद होने का खतरा बढ़ गया है। डॉलर की कमी के कारण बैंकों ने एलसी खोलने से साफ तौर पर इनकार कर दिया है और चीनभारत अमेरिका और पश्चिमी यूरोप से रॉ मैटेरियल के ऑर्डर अटके हुए हैं। जब तक डॉलर नहीं होगा तब तक इम्पोर्ट नहीं हो सकेगा। बता दें कि पाकिस्तान में दवा के लिए रॉ मैटेरियल इन्हीं देशों से आते हैं। यही वजह है कि पाकिस्तान में दवाओं की किल्लत हो गई है। वहीं दवा कंपनियों ने आशंका जाहिर की हैं कि अगर उन्हें कच्चा माल नहीं मिला तब वे 60 रुपये में भी 40 रुपये की दवा की आपूर्ति नहीं कर सकेगी। दवा के थोक बाजारों में कमी होने लगी है जिसके परिणामस्वरूप कालाबाजारी भी जमकर हो रही है। पाकिस्तान में दवा की कमी से मानवीय त्रासदी हो सकती है। लाइफ सेविंग इस बीच निकट भविष्य में पाकिस्तान में दवाओं खासकर आवश्यक और जीवन रक्षक दवाओं की कमी के डर से नेशनल हल्थ सर्विस ने वित्त मंत्रालय से संपर्क किया है और कहा है कि उसके पास रॉ मैटेरियल खरीदने के लिए डॉलर नहीं हैं जिससे समस्या का समाधान किया जा सके। एनएचएस अधिकारी ने बताया कि उन्होंने पाकिस्तान के ड्रग रेगुलेटरी अथॉरिटी (डीआरएपी) की सिफारिशों पर वित्त मंत्रालय से संपर्क किया है. बता दें कि ड्रग रेगुलेटरी अथॉरिटी ने स्वास्थ्य मंत्रालय को चेतावनी दी थी कि दवाओं के कच्चे माल और दवाओं के उत्पादन के लिए इस्तेमाल होने वाले अन्य उत्पादों को आयात करने में असमर्थता हो सकती है।

इमरान के 3 फोन सेक्स ऑडियो लीक होने से पाकिस्तान की राजनीति में भूचाल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के 3 फोन सेक्स ऑडियो लीक होने से भूचाल मचा गया है। पूर्व सेनाध्यक्ष जनरल बाजवा और आई.एस.आई. चीफ से पंगा लेने वाले इमरान के इन ऑडियो को सोशल मीडिया में जानबूझकर जारी किया गया है। बताया जा रहा है कि इन ऑडियो को आईएसआई ने उनके फोन को गुपचुप तरीके से रिकॉर्ड करके हासिल किया था। हालांकि इमरान की पार्टी इन ऑडियों को फर्जी बता रही है। इमरान के एक ऑडियो में आ रही महिला की आवाज को आयला मलिक की बताया जा रहा है। आयला मलिक पाकिस्तान के एक शीर्ष राजनीतिक घराने से तालुक रखती हैं। आयला पाकिस्तानी सांसद भी रह चुकी हैं। इस बीच पाकिस्तानी मीडिया ने खुलासा किया है कि इमरान खान ने आयला मलिक को 70 लाख रुपए दिए थे। आयला इमरान की पार्टी पीटीआई से प्रमुखता से जुड़ी हुई हैं वह पाकिस्तानी संसद नेशनल असैम्बली की सदस्य रह चुकी हैं। आयला मलिक ने मियांवाली इलाके में इमरान का चुनाव प्रचार कैंपेन संभाला था। आयला मलिक पाकिस्तान की सबसे खूबसूरत महिला नेताओं में शुमार हैं। आयला पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति सरदार फारूक अहमद खान लेघारी की भतीजी और पूर्व मंत्री सुमैरा मलिक की बहन हैं। दावा किया जा रहा है कि इमरान खान और आयला के बीच लंबे समय से बेहद करीबी प्रेम संबंध रहे हैं। इतना ही नहीं इमरान खान 2009 में आयला के टीवी शो में आए थे। उस समय आयला एक टीवी चैनल में एंकर थी। आयला इमरान की दीवानी रही हैं और वह अपने टीवी शो में इमरान को नैशनल हीरो तक बता चुकी हैं। पाकिस्तानी सोशल मीडिया में इसतरह के कई पुराने वीडियो वायरल हो रहे हैं जिनमें वे दोनों साथ-साथ नजर आ रहे हैं। आयला 2002 से 2007 तक पाकिस्तान की सांसद रही हैं। इसके बाद उन्होंने इमरान खान की पार्टी ज्वाइन कर ली। 2 सीटों से जीते इमरान ने उन्हें 2013 में अपनी मियांवाली सीट से टिकट दे दिया। हालांकि फर्जी डिग्री देने के कारण आयला मलिक को चुनाव नहीं लडने दिया गया। उनकी इंटरमीडिएट की डिग्री को फर्जी पाया गया था। उस समय आयला की बहन सुमैरा नवाज शरीफ की पार्टी से जुड़ी हुई थीं।

चीन के बाद अमेरिका में भी कोरोना की दहशत 28 दिनों में 16 लाख नए मामले सामने आए

वाशिंगटन । कोरोना ने चीन के साथ अमेरिका में भी तबाही मचाना शुरु कर दिया है। यहां बीते 28 दिनों में ही कोरोना संक्रमण के करीब 16 लाख नए मामले सामने आ चुके हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया हैं कि वर्ष 2020 की शुरुआत में कोरोना महामारी की दस्तक के बाद से अब तक अमेरिका में दर्ज किए गए कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 10 करोड़ को पार कर गई है। अमेरिका स्थित जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी ने कहा कि देश में अब तक कोरोना के 100003837 मामले सामने आए हैं। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि कोरोना वायरस ने अमेरिका में 10 लाख 88 हजार 236 लोगों की जान ले ली है। दुनिया भर में फिर तेजी से बढ़ रहे कोरोना संक्रमण के मामलों और डब्ल्यूएचओ द्वारा वैक्सीनेशन की रफ्तार बढ़ाने पर जोर दिए जाने के बीच यह जानकारी सामने आई है। बता दें कि जापान अमेरिका दक्षिण कोरिया ब्राजील और चीन में पिछले हफ्ते कोरोनो के मामलों में अचानक तेज वृद्धि देखी गई है। चीन में बीते 28 दिनों की अवधि में कोरोना संक्रमण के कुल 917308 मामले रिपोर्ट किए गए जिसके साथ देशभर कुल मामलों की संख्या 42 लाख 93 हजार 671 पर पहुंच गई है। चीन में कोविड संक्रमण से मरने वालों की कुल संख्या 16539 है। वहीं जापान कोरोना संक्रमण की कुल संख्या 2 करोड़ 76 लाख से अधिक है। इस बीच संक्रामक रोग महामारी विज्ञानी मारिया वान केरखोव ने कहा कि कोरोना से हर हफ्ते अब भी करीब 8000 और 10000 लोगों की मौत हो रही है।

वाशिंगटन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जैलेंस्की अमेरिकी कांग्रेस की एक संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए।

अदनोम गेब्रेयेसस ने कहा चीन में कोविड की स्थिति संबंधी खबरों को लेकर 'बहुत चिंतित' हैं

जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशकटेड्रोस अदनोम गेब्रेयेससने कहा कि संगठन चीन में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों की खबरों को लेकर ''बेहद चिंतित'' है, क्योंकि देश ने अपनी 'शून्य कोविड' नीति को मोटे तौर पर छोड़ दिया है, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में लोग संक्रमित हो रहे हैं। टेड्रोस ने बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी को चीन में कोविड-19 की गंभीरता, विशेषकर अस्पतालों और गहन देखभाल इकाइयों में भर्ती मरीजों को लेकर और अधिक जानकारी की आवश्यकता है, ताकि ''जमीन पर स्थिति का व्यापक जोखिम आकलन'' किया जा सके। उन्होंने कहा, ''चीन में गंभीर बीमारी के बढ़ते मामलों की खबरों के बीच बदल रही स्थिति को लेकर डब्ल्यूएचओ बहुत चिंतित है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने अपने संबोधन से पूरी दुनिया का मन मोह लिया

वाशिंगटन (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की का अमेरिका में बड़ी गर्मजोशी से स्वागत किया गया और इस दौरान जेलेंस्की ने दुनियाभर के लोगों का मुश्किल घड़ी में यूक्रेन का साथ देने के लिए शुक्रिया अदा किया। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने ओवल कार्यालय में जेलेंस्की का स्वागत किया और दोनों ने वहां बातचीत की। इसके बाद व्हाइट हाउस में दोनों ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में बाइडन ने जेलेंस्की से कहा, '(आपके) नेतृत्व ने इस भयानक संकट के दौरान यूक्रेन के लोगों को प्रेरित किया।'' बाइडन ने कहा, 'नव वर्ष की ओर बढ़ते हुए अमेरिका और दुनियाभर के लोगों के लिए यह जरूरी है कि वे सीधे आपसे यूक्रेन में जारी युद्ध के बारे सुनें।' उन्होंने कहा कि 2023 में भी हमें एकसाथ खड़े रहने की जरूरत है।'

हम आपको बता दें कि जलेंस्की ऐसे समय अमेरिका पहुंचे, जब रूस के यूक्रेन पर हमले का 300वां दिन था। बाइडन ने इस आक्रमण को यूक्रेन के लोगों पर एक अकारण, अनुचित चौतरफा हमला बताया है। जेलेंस्की ने बुधवार को पूरे दिन शीर्ष अमेरिकी नेतृत्व के साथ बैठकें कीं और अमेरिकी कांग्रेस के एक संयुक्त सत्र को भी संबोधित किया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वह ''अमेरिका और दुनियाभर के लोगों जिन्होंने यूक्रेन के लिए बहुत कुछ किया है, उनका धन्यवाद करने'' यहां आए हैं। जेलेंस्की ने कहा, 'मैं इन सभी का शुक्रगुजार हूं। अमेरिका की यह यात्रा अमेरिका व अमेरिकी नेतृत्व के साथ हमारे संबंधों के लिए वास्तव में ऐतिहासिक है।' जेलेंस्की ने बाइडन को यूक्रेनी सैन्य पदक 'द क्रॉस ऑफ मिलिट्री मेरिट' भी सौंपा। यह विशेष पदक इस वर्ष की शुरुआत में एक यूक्रेनी अधिकारी को युद्ध के मैदान में उत्कृष्ट भूमिका निभाने के लिए दिया गया था। यूक्रेनी अधिकारी ने इस सप्ताह की शुरुआत में बखमुत में राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की थी और कहा था कि वह अपना पदक कृतज्ञता के प्रतीक के रूप में बाइडन को देना चाहते हैं। बाइडन ने जेलेंस्की को दो 'कमांड कॉइन' भेंट किए। एक यूक्रेन के उस अधिकारी के लिए और दूसरा राष्ट्रपति जेलेंस्की के लिए दिया।

उधर, अमेरिकी कांग्रेस में अपने संबोधन में जेलेंस्की ने कहा, 'सभी बाधाओं, निराश परिदृश्यों के बावजूद यूक्रेन हिम्मत नहीं हारा। यूक्रेन डटकर खड़ा है।'' जेलेंस्की ने अरबों डॉलर की सैन्य मदद के लिए अमेरिका और उसके लोगों का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा, 'आपका पैसा कोई खैरात नहीं है। यह वैश्विक सुरक्षा और लोकतंत्र की दिशा में आपका एक योगदान है, जिसका हम बेहद सोच-समझकर इस्तेमाल करेंगे।' इससे पहले अमेरिकी प्रतिनिधिसभा की अध्यक्ष नैन्सी पेलोसी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की को अमेरिका का झंडा भी भेंट किया। जेलेंस्की की यात्रा से कुछ समय पहले ही बुधवार को अमेरिका ने यूक्रेन को 1.85 अरब डॉलर की सैन्य सहायता देने की घोषणा की, जिसमें पैट्रियॉट मिसाइल की बैटरी भेजना भी शामिल है। इसके अलावा जेलेंस्की ने अमेरिकी कांग्रेस को बताया कि उन्होंने राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ बैठक में 10-बिंदुओं वाले 'शांति सूत्र' का प्रस्ताव रखा और उन्हें उम्मीद है कि भविष्य में कई दशकों तक संयुक्त सुरक्षा की गारंटी प्रदान करेगा। कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए जेलेंस्की ने कहा, 'हमें शांति चाहिए। यूक्रेन ने पहले ही कई प्रस्तावों की पेशकश की है, जिस पर मैंने अभी-अभी राष्ट्रपति बाइडन के साथ भी चर्चा की। हमारा 10 बिंदुओं वाला शांति सूत्र है जिसे आने वाले दशकों में हमारी संयुक्त सुरक्षा गारंटी के लिए लागू किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि इस तरह की कोई भी चर्चा रूस की बातचीत की इच्छा और अंतरराष्ट्रीय कानूनी व्यवस्था की भागीदारी पर भी निर्भर करेगी। हालांकि उन्होंने यूक्रेन पर हमला करने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आलोचना भी की। हम आपको याद दिला दें कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 फरवरी को यूक्रेन के असैन्यकरण और नाजीवाद से मुक्ति के नाम पर एक ''विशेष सैन्य अभियान'' शुरू किया था।

जेलेंस्की ने कहा, 'रूस से शांति की दिशा में कदम उठाने का इंतजार करना बेवकूफी होगी, जो एक आतंकवादी राष्ट्र होने का मजा ले रहा है। क्रेमलिन अब भी रूस में जहर घोल रहा है। अंतरराष्ट्रीय कानून व्यवस्था के तहत प्रतिबंध लगाना हमारा साझा कर्तव्य है।'' जेलेंस्की इस मौके पर भी अपनी चिर परिचित हरे रंग की 'कॉम्बैट' स्वेटशर्ट और बूट पहने नजर आए। उन्होंने उम्मीद जतायी कि अमेरिकी कांग्रेस 'हमारे मूल्यों, सिद्धांतों और स्वतंत्रता की रक्षा करने में सहायता करना जारी रखेगी'' और यूक्रेन को अतिरिक्त 45 अरब डॉलर की सहायता देगी। इससे पहले बुधवार को बाइडन ने ओवल कार्यालय में जेलेंस्की का स्वागत करते हुए कहा कि अमेरिका और यूक्रेन रक्षा के क्षेत्र में एकजुटता दिखाना जारी रखेंगे, क्योंकि रूस ने ''एक राष्ट्र के रूप में यूक्रेन के अस्तित्व के अधिकार पर क्रूर हमला'' किया है। हम आपको यह भी बता दें कि रूस के इस साल फरवरी अंत में यूक्रेन पर हमला करने के बाद जेलेंस्की पहली बार देश से बाहर आए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि वह पहले यात्रा पर आना चाहते थे, लेकिन इस समय उनकी यह यात्रा दिखाती है, ''आपकी मदद से स्थिति अब नियंत्रण में है।'' उन्होंने कहा कि यूक्रेन के लोग सम्मान के साथ स्वतंत्रता के लिए लड़ाई जारी रखेंगे। जेलेंस्की ने कहा, 'हम क्रिसमस मनाएंगे। भले ही देश में बिजली न हो, लेकिन हमारे विश्वास की रोशनी कभी नहीं बुझेगी।'' उन्होंने कहा, 'अगर रूस की मिसाइलें हम पर हमला करेंगी, तो हम खुद को बचाने की पूरी कोशिश करेंगे। अगर वे ईरान के ड्रोन से हम पर हमला करेंगे तो क्रिसमस की पूर्व संध्या पर हमारी जनता को बम हमले से बचने वाले स्थानों पर पनाह लेनी होगी। यूक्रेन के लोग एक साथ बैठेंगे और एक दूसरे को खुश रखेंगे। हमें हर किसी की इच्छा जानने की जरूरत नहीं है क्योंकि हम जानते हैं कि हम सभी लाखों यूक्रेनवासी एक ही जीत की कामना कर रहे हैं।'' जेलेंस्की ने कहा कि लड़ाई केवल यूक्रेन या किसी अन्य राष्ट्र की स्वतंत्रता और सुरक्षा के लिए नहीं है, जिस पर रूस कब्जा करना चाहता है। उन्होंने कहा, 'इस संघर्ष से तय होगा कि हमारे बच्चे और नाती-पोते किस दुनिया में रहेंगे और फिर उनके बच्चे तथा नाती-पोतों को कैसा जीवन मिलेगा। इससे ही तय होगा कि क्या यूक्रेन और अमेरिकियों या सभी के लिए लोकतंत्र कायम रहेगा या नहीं।''

भारत-रुस की दोस्ती से नाराज अमेरिका पाकिस्तान को दे रहा आर्थिक मदद

-लैंगिक समानता के नाम 200 मिलियन डॉलर देने की तैयारी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका इनदिनों पाकिस्तान की दिल खोलकर मदद कर रहा है। भारत और रूस की नजदीकियों से गुस्सा अमेरिका भारत पर सीधे नहीं निकाल सकता इसके लिए भारत को चेताने अमेरिका पाकिस्तान के साथ नजदीकिया बढ़ाता दिख रहा है। एफ-16 के बाद अब अमेरिका पाकिस्तान को 200 मिलियन डॉलर देने वाला हैं। अमेकिरा के इस कदम का विरोध उनके ही देश में हो रहा हैं। अमेरिका पाकिस्तान को इतनी बड़ी रकम इसकारण दे रहा है ताकि पाकिस्तान में महिलाओं और पुरुषों के बीच समानता को स्थापित किया जा सके।

अमेरिका की बादडेन सरकार ने पाकिस्तान में लैंगिक समानता कार्यक्रमों के लिए 200 मिलियन डॉलर देने का फैसला किया हैं। अमेरिकी कांग्रेसी प्रतिनिधि डैन बिशप ने वित्तीय वर्ष 2023 के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका में पारित सर्वग्राही विधेयक का विवरण साझा किया। पाकिस्तान के लिए आवंटित जेंडर इक्विटी फंड सीनेट में पेश किए गए विशाल 4155 पेज के 1.7 ट्रिलियन डॉलर के सरकारी व्यय बिल का हिस्सा है जो पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग 1.5 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है। यह बिल सितंबर 2023 तक अमेरिकी सरकार की संघीय एजेंसियों को फंड देने के लिए है जिसमें दुनिया भर में विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों के लिए फंडिंग भी शामिल है। बिल को सीनेट द्वारा 70-25 में चर्चा के लिए स्वीकार कर लिया गया है और इस सप्ताह के अंत तक पारित किया जाएगा क्योंकि डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन वार्ताकारों ने संघीय एजेंसियों के आंशिक बंद को रोकने के लिए बिल पारित करने पर सहमति व्यक्त की है।

बिल के बारे में रेप डैन बिशप ने लिखा मेरी टीम और मैं आज ऑम्निबस बिल के माध्यम से पढ़ रहे हैं सभी 1.7 ट्रिलियन और इसके 4155 पृष्ठ। बिल में कुछ सबसे प्रबल प्रावधानों के लिए अनुसरण करें। उन्होंने बिल में शामिल फंडिंग के कई प्रावधानों को पोस्ट किया।

'बिकनी किलर' चार्ल्स शोभराज को रिहा करने से नेपाल जेल का इनकार, कोर्ट ने दिया था आदेश

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल में जेल अधिकारियों ने सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज को रिहा करने से इनकार कर दिया है, भले ही देश के सर्वोच्च न्यायालय ने उसकी रिहाई का आदेश दिया हो। नेपाली जेल अधिकारियों का दावा है कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला 'अस्पष्ट' है और यह उल्लेख नहीं किया गया है कि किस मामले में उन्हें रिहा किया गया है।

जज सपना प्रधान मल्ल और तिल प्रसाद श्रेष्ठ की बेंच ने 'बिकनी किलर' के नाम से मशहूर 78 साल के शोभराज को रिहा करने का आदेश दिया। शोभराज ने जेल से रिहा होने के लिए एक याचिका

दायर की और अदालत ने उसकी वृद्धावस्था के आधार पर उसकी रिहाई के आदेश पारित किए। अदालत ने रिहाई के 15 दिनों के भीतर उनके निर्वासन को भी मंजूरी दे दी थी।

चार्ल्स शोभराज हत्या, चोरी और धोखाधड़ी के कई मामलों में शामिल था। उन्हें 2003 में नेपाल की यात्रा के दौरान दो अमेरिकी पर्यटकों की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने फ्रांस के सीरियल किलर चार्ल्स शोभराज को 19 साल जेल में बिताने के बाद उसकी उम्र के आधार पर रिहा करने का आदेश दिया है। समाचार एजेंसी ने बताया कि चार्ल्स दो अमेरिकी पर्यटकों की हत्या के आरोप में 2003 से नेपाल की जेल में है।

नेतन्याहू ने राष्ट्रपति को देश में अगली सरकार बनाने की जानकारी दी

यरुशलम (एजेंसी)। इज़राइल के निर्वाचित प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की कि वह अगली सरकार बनाने जा रहे हैं जो ''इज़राइल के सभी नागरिकों के कल्याण के लिए काम करेगी।'' नेतन्याहू (73) ने आधी रात की समय सीमा से कुछ मिनट पहले यह घोषणा की। नेतन्याहू ने बुधवार देर रात राष्ट्रपति इसाक हर्जोग को सूचित किया कि वह देश में नई सरकार का गठन करेंगे। शपथ ग्रहण दो जनवरी तक होगा। नवंबर में राष्ट्रपति हर्जोग ने आधिकारिक रूप से नेतन्याहू को नयी सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया था, जिन्हें 'नेसेट' (इज़राइल की संसद) के 64 सदस्यों का समर्थन हासिल है।

नेतन्याहू ने इज़राइल में प्रधानमंत्री पद पर सबसे अधिक समय तक सेवाएं दी हैं। उन्होंने हर्जोग को फोन कर सूचित किया कि वह ''पिछले चुनाव में लोगों से मिले भारी जनसमर्थन की बदौलत'' अगली सरकार बनाने के लिए तैयार हैं जो ''इज़राइल के सभी नागरिकों के कल्याण के लिए काम करेगी।'' राष्ट्रपति ने उन्हें शुरू में सरकार गठन के लिए 28 दिन का समय दिया था, जिसे बाद में 10 दिन और बढ़ा दिया गया था। नेतन्याहू ने 10 दिन की इस अवधि के खत्म होने से कुछ देर पहले सरकार बनाने की घोषणा की। नयी सरकार के पास 120 सदस्यीय 'नेसेट' (संसद) में 64 सदस्यों का समर्थन हासिल होगा, जो सभी दक्षिणपंथी धड़े से आते हैं। नेतन्याहू ने सबसे पहले ट्वीट कर अपनी सफलता की घोषणा की और बाद में इज़राइल के

राष्ट्रपति से फोन पर हुई बात की जानकारी भी साझा की। अब उम्मीद है कि 'नेसेट' के स्पीकर यारिव लेविन सांसदों को नयी सरकार के गठन के बारे में सूचित करेंगे, जिसकी घोषणा के सात दिन के भीतर शपथ ग्रहण होना चाहिए।

कोरोना को लेकर चीनी वैज्ञानिक की चेतावनी तीन लहरें आएगी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में इन दिनों कोरोना संक्रमण में बेतहाशा वृद्धि देख जा रही है। इससे चीन की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है और श्मशानों में लाशों का अंबार लगने की खबरें हैं। इस बीच महामारी विज्ञानियों ने अंदेशा जताया है कि जनवरी से देश में वायरस की कम से कम तीन लहरे आएगी। चीन ने हालांकि पिछले दिनों कोविड-19 के कारण किसी भी मौत की सूचना नहीं दी है।रिपोर्ट के अनुसार शी जिनपिंग सरकार अब तक कोविड-19 से हुई मौतों की संख्या पर चुप रही है लेकिन चीनी अधिकारियों ने आने वाले महीनों में कोरोना संक्रमण की लगातार लहरों की चेतावनी दी है।

चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के मुख्य महामारी विज्ञानी ने कहा मौजूदा प्रकोप इस सर्दी में चरम पर होगा और आने वाले तीन महीनों में तीन लहरें आएगी। उन्होंने कहा पहली लहर अब से जनवरी के मध्य तक चलेगी। फिर 21 जनवरी से शुरू होने वाले लूनर न्यू ईयर के लिए देश भर में करोड़ों लोगों की सामूहिक यात्रा से शुरू होने के तुरंत बाद एक दूसरी लहर आने की आशंका है। लोगों के छुट्टियों से काम पर लौटने के बाद फरवरी के अंत से मार्च के मध्य तक चीन तीसरी लहर का सामना होगा। फरवरी में कोविड की लहर लूनर न्यू ईयर की छुट्टी से पहले बड़े पैमाने पर यात्रा से शुरू होगी। चीन का यह नया साल 21 जनवरी को शुरू होता है और लोग इस दिन को मनाने के लिए अपने गृहनगर जाते हैं।

कोरोना महाविस्फोट के बीच नींबू के दाम में लगी आग

चीन में कोविड-19 की नई घातक लहर के आने के बाद से वहां नींबू की मांग में बेतहाशा बढ़ोतरी देखी जा रही है। इससे नींबू किसानों का व्यापार अचानक तेजी से बढ़ने लगा है क्योंकि चीन के लोग कोविड संक्रमण की बढ़ती लहर से लड़ने के लिए प्राकृतिक उपचारों की ओर रुख कर रहे हैं। किसान ने कहा कि नींबू के बाजार में बहुत आग लगी हुई है। किसान ने बताया कि लगभग 130 एकड़ (53 हेक्टेयर) जमीन पर नींबू उगाते हैं. ये प्रांत चीन में लगभग 70 प्रतिशत फल पैदा करता है।

खबर के मुताबकि किसान ने कहा कि उनकी बिक्री पिछले हफ्ते के रोजाना 5 या 6 टन से बढ़कर 20 से 30 टन हो गई है। नींबू की मांग में ये उछाल बीजिंग और शंघाई जैसे शहरों से आ रहा है। पिछले महीने ही चीन के फल और सब्जी किसान अपनी भारी ताजा उपज को लेकर परेशान थे। परिवहन पर कड़े प्रतिबंधों के असर के कारण एन्यू इलाके के गांवों में नींबू की कीमत लगभग जीरो हो गई थी। क्योंकि उन्हें बेचा नहीं जा सका था। जिससे किसानों को भारी नुकसान हुआ पर

अब सब बदला हुआ है। चीनी लोग नई लहर के खिलाफ अपनी इम्यूनिटी को बढ़ाने के लिए विटामिन सी से भरपूर खाद्य पदार्थ खरीदने के लिए जुट गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सलमान ने की अक्षय की तारीफ

जी हां, बिल्कुल सही सुना आपने! हम सभी जानते हैं कि अक्षय कुमार एक फैमिली मैन हैं, जिन्होंने हमेशा सबके सामने यह बात मानी है कि उनकी ज़िंदगी में अपने बच्चों, पत्नी और बहन की क्या अहमियत है। और सलमान खान, जो खुद भी अपने परिवार के बहुत करीब हैं, अक्षय के इस जज़्बात से बहुत अच्छी तरह जुड़ते हैं। सलमान खान ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अक्षय कुमार का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें अक्षय अपनी फिल्म रक्षा बंधन के प्रमोशन के दौरान अपनी बहन से मिले एक ऑडियो मैसेज को सुनने के बाद बेहद इमोशनल नजर आ रहे हैं। उनका यह वीडियो इस महीने होने जा रहे 'रक्षा बंधन' के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर से ठीक पहले सामने आया है। इस वीडियो को शेयर करते हुए सलमान ने कहा है, मैंने अभी– अभी कुछ देखा, जिसे मैंने सोचा कि सबके साथ शेयर करना चाहिए। गॉड ब्लेस यू अक्की, ? वाकई शानदार। इसे देखकर बहुत अच्छा लगा। फिट रहें, काम करते रहें और भगवान हमेशा आपके साथ रहें ब्रदर। रक्षा बंधन में अक्षय कुमार को देखिए एक भाई के अवतार में, 24 दिसंबर को ज़ी सिनेमा पर।

पहले अमेरिकी टूर को लेकर सातवें आसमान पर वाणी

हिंदी सिनेमा की मौजूदा अभिनेत्रियों में यशराज फिल्म्स की खोज समझी जाने वाली अभिनेत्री वाणी कपूर धीरे धीरे, सधे कदम कामयाबी की तरफ ठोस कदम बढ़ा रही हैं। अपनी हर फिल्म में एक अनूठा किरदार करने को बेचैन रहने वाली वाणी के अभिनय की तारीफ उन फिल्मों में भी होती रही है जिनके बॉक्स ऑफिस नतीजे उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहे। वाणी ने हाल ही में निर्माता दिनेश विजन की एक मेगा बजट फिल्म साइन की है और अब खबर है कि वह जल्द ही अपने पहले अमेरिकी टूर पर निकलने वाली हैं। वाणी कहती हैं, 'ये टूर मेरा एक सपना रहा है और मैं खुद को भाग्यशाली समझती हूं कि मेरा एक और बड़ा सपना पूरा होने जा रहा है। फिल्म 'चंडीगढ़ करे आशिकी' में एक ट्रांसजेंडर गर्ल के रूप में अपनी भूमिका के लिए लगातार सराहना पाती रहीं अभिनेत्री वाणी कपूर ने निर्माता दिनेश विजन की नई फिल्म में मौका पाकर लोगों की उम्मीदों को और बढ़ाया है। इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने पहले वाणी अमेरिका के तीन शहरों के टूर पर निकल रही हैं। अमेरिका में बसे हिंदी सिनेमा के शौकीनों के सामने वह छुट्टियों के इस मौसम में अपने सुपरहिट गानों पर मंचीय प्रस्तुतियों देने जा रही हैं। जानकारी के मुताबिक वाणी के इस यूएस टूर में डलास, अटलांटा और न्यू जर्सी जैसे शहर शामिल हैं और इन शहरों में होने वाले संगीतमय कार्यक्रमों में वह अपने चुनिंदा गानों पर परफॉर्म करेंगी। जिन गानों को लेकर वाणी इन दिनों रिहर्सल कर रही हैं, उनमें फिल्म 'शमशेरा' का गाना फितूर, फिल्म 'वॉर' का गाना घुंघरू, फिल्म 'बेफिक्रे' का गाना 'नशे सी चढ़ गई', फिल्म 'बेल बॉटम' का गाना सखियां शामिल हैं। इस बारे में वाणी कहती हैं, 'एक कलाकार हमेशा इस तरह के दौरे करने के लिए उत्सुक रहता है। मैं इस बात से रोमांचित हूं कि कैसे हमारे देश के कुछ सबसे बड़े सितारों ने दुनिया के कई शहरों में दर्शकों से खचाखच भरी हुई जगहों पर उनको मंत्रमुग्ध किया है। हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को दुनिया भर के लोग बहुत पसंद करते हैं। हमारा संगीत और नृत्य हमारी संस्कृति का दूत रहा है और बड़े पैमाने पर लोग इसके प्रशंसक हैं। मैं वास्तव में भाग्यशाली हूं अब मैं अपने एक बहुत बड़े सपने को पूरा करने जा रही हूं।

एक्ट्रेस का दर्द, किराए के बदले

मकान मालिक ने...

एक एक्ट्रेस ने ऐसा खुलासा किया जिसे जान आप दंग रह जाएंगे। इस अभिनेत्री से मकान मालिक ने सेक्सुअल फेवर मांग लिया। इस पर एक्ट्रेस ने ऐसा जवाब दिया कि अब वह शायद ही ऐसी हिमाकत करे। बहरहाल, सबसे पहले आपको एक्ट्रेस का नाम बता देते हैं। इनका नाम है तेजस्विनी पंडित। ये मराठी फिल्म इंडस्ट्री में काम करती हैं। उन्होंने एक पॉडकास्ट में अपना बुरा अनुभव शेयर किया। तेजस्विनी बताती हैं कि यह वाकाया 2009–10 में उनके साथ हुआ था जब वे पुणे में एक अपार्टमेंट में किराए से रहती थी। बतौर एक्ट्रेस अपनी पहचान बना रही थी। एक फिल्म भी रिलीज हो चुकी थी। एक दिन वह अपार्टमेंट का किराया देने मकान मालिक के ऑफिस में गई तो उसने सीधे किराए के बदले सेक्शुअल फेवर मांगा। यह सुन गुस्सा तो आना ही था। तेजस्विनी ने टेबल पर रखे पानी के गिलास को उठाया और पानी सीधे उसके मुंह पर दे मारा। इससे बढ़िया और क्या जवाब हो सकता था। तेजस्वीनी कहती हैं कि उनके प्रोफेशन के आधार पर उन्हें गलत जज किया गया था। उस समय मेरी आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं थी इसलिए वह इसका फायदा भी उठाना चाहता था।

पठान' विवाद के बीच शाहरुख खान के नाम उपलब्धि दुनिया के 50 महान

एक्टर्स में अकेले भारतीय

35 साल से शाहरुख खान अपने फैन्स के दिलों पर राज करते आ रहे हैं। उनके अभिनय का जलवा केवल देश ही नहीं विदेशों में भी है। मैगजीन एम्पायर ने दुनियाभर के 50 महान अभिनेताओं में उनका नाम भी शामिल किया है। शाहरुख खान को बॉलीवुड का बादशाह यूं हीं नहीं कहा जाता है। दुनियाभर में उनकी फिल्मों और उन्हें चाहने वाले लोग हैं। करीब 35 साल से फिल्म इंडस्ट्री में सक्रिय शाहरुख अपने फैन्स के दिलों पर राज करते आ रहे हैं। उनके अभिनय का जलवा केवल देश ही नहीं विदेशों में भी है। मशहूर मैगजीन एम्पायर ने दुनियाभर के अब तक के 50 अभिनेताओं की एक लिस्ट जारी की है जिसमें भारत से केवल शाहरुख खान को जगह मिली है। लिस्ट में हॉलीवुड के टॉम हैंक्स, मर्लिन मुनरो और केट विंसलेट सहित अन्य कलाकारों के नाम हैं।

–किंग खान की इन फिल्मों का जिक्र

मैगजीन ने शाहरुख खान की फिल्म 'देवदास', 'माई नेम इज खान', 'कुछ कुछ होता है' और 'स्वदेस' का जिक्र किया है। इसके साथ इन फिल्मों में उनके निभाए किरदारों देवदास मुखर्जी, रिजवान खान, राहुल खन्ना और मोहन भार्गव का नाम लिखा है।

रिद्धि ने एक्ट्रेस बनने के लिए छोड़ दी थी नौकरी

वेब सीरीज पिचर्स के दूसरे सीजन की कास्ट में शामिल हुई रिद्धि डोगरा ने अपने करियर को लेकर बताया है कि उन्होंने कलाकार बनने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी थी। उन्होंने कहा, मुझे याद है कि मेरे बॉस ने मुझे यह आदेश दिया था कि यह सही नहीं है, और यह मेरे इतनी मेहनत करने के बाद भी गलत है। पहला विचार जो मेरे दिमाग में आया वह यह था कि वह सही या गलत का न्याय करने वाला कौन होता है? उसी दिन मैंने फैसला कर लिया था कि मैं एक कलाकार बनने के लिए बनी हूं। अपनी ने कई सारे सारे शो जैसे– द मैरिड वुमन, दीया और बाती हम, वो अपना सा, खतरों के खिलाड़ी 6 में काम किया है। आगे अपनी बात रखते हुए अभिनेत्री ने कहा है, मैंने एक कलाकार बनने और आरामदायक नौकरी के आराम क्षेत्र को छोड़ने का फैसला किया। मैं एक टीवी चैनल में काम कर रहा थी, उससे पहले मैं एक विज्ञापन एजेंसी में थी। मैंने कैमरे के पीछे काम किया है, इवेंट्स हैंडल किए हैं और मार्केटिंग और पीआर टीम का भी हिस्सा रही हूं। 2015 में रिलीज होने वाली पिचर्स 1 चार उद्यमियों की कहानी है, जिन्होंने अपना उद्यम स्थापित करने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी। इसमें नवीन कस्तूरिया, अरुणाभ कुमार, अभय महाजन और जितेंद्र कुमार मुख्य भूमिकाओं में थे।

कुत्ते में तब्बू का किरदार पहले एक पुरुष कैरेक्टर के लिए था

अभिनेत्री तब्बू ने खुलासा किया है कि फिल्म कुत्ते में उनकी भूमिका पहले एक पुरुष चरित्र के लिए लिखी गई थी, लेकिन निर्देशक आसमान भारद्वाज और उनके संगीतकार–निर्माता पिता विशाल भारद्वाज ने इसे बदल दिया। कुत्ते आसमान भारद्वाज की डायरेक्टर के रूप में पहली फिल्म है। मंगलवार को मुंबई में फिल्म के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए विशाल के साथ मकबूल और हैदर जैसी फिल्मों में काम कर चुकीं अभिनेत्री तब्बू ने कहा, यह किरदार एक पुरुष के लिए लिखा गया था, लेकिन आसमान और विशाल जी ने मेरे लिए बदल दिया। आसमान मेरी नजर के सामने बड़ा हुआ है। उन्होंने यह भी साझा किया कि फिल्म में काम करना उनके लिए गर्व की बात है क्योंकि उन्होंने आसमान को अपनी आंखों के सामने बड़ा होते देखा है।

गौहर 39 साल की उम्र में बनेंगी मां

टीवी की फेमस एक्ट्रेस गौहर खान ने फैंस को गुड न्यूज दी है। वो प्रेग्नेंट हैं। जल्द ही उनके घर में बच्चे की किलकारियां गूंजने वाली हैं। उन्होंने पति जैद दरबार संग एक वीडियो शेयर किया और ये खुशखबर सुनाई। दोनों ने साल 25 दिसंबर 2020 में शादी की थी।

टीवी और फिल्मों की फेमस एक्ट्रेस गौहर खान मां बनने वाली हैं। उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर पति जैद दरबार संग एक वीडियो शेयर किया और फैंस को गुड न्यूज दी कि उनके घर में जल्द ही बच्चे की किलकारियां गूंजने वाली हैं। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। साथ ही सिलेब्स से लेकर फैंस तक उन्हें बधाई दे रहे हैं।

–साल 2020 में की थी जैद दरबार से शादी

गौहर खान साल 2013 में बिग बॉस 7 के को–कंटेस्टेंट कुशाल टंडन संग रिलेशनशिप में थीं। हालांकि, बाद में इनका रिश्ता टूट गया। नवंबर 2020 में गौहर ने म्यूजिक डायरेक्टर इस्माइल दरबार के बेटे जैद दरबार से सगाई की और इसी साल दिसंबर महीने में शादी की।

–बिग बॉस 7 की विनर

23 अगस्त 1983 को जन्मीं गौहर खान मॉडल भी रह चुकी हैं। उन्होंने साल 2002 में फैमिना मिस इंडिया कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया था। वो कई डांस सॉन्ग में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने यशराज फिल्म्स की मूवी रॉकेट सिंह (2009) से एक्टिंग में डेब्यू किया। बाद में वो एक्शन थ्रिलर गेम, इश्कजादे, द सस्पेंस थ्रिलर फीवर और बद्रीनाथ की दुल्हनिया सहित कई मूवीज में नजर आईं। उन्होंने साल 2013 में रिएलिटी शो बिग बॉस 7 में हिस्सा लिया था और वो इस सीजन की विनर थीं।

अजय के फैंस के लिए खुशखबरी

अजय देवगन की फिल्म दृश्यम 2 इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर लगातार झंडे गाड़ रही है। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी इस फिल्म ने टिकट खिड़की पर अब तक 200 करोड़ से अधिक का कारोबार कर लिया है। इस बीच उनके फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। दरसअल, दृश्यम 2 पहले रिलीज हुई थैंक गॉड का लुत्फ अब कोई भी फ्री में उठा सकता है। अमेजन प्राइम पर इस फिल्म को आज (20 दिसंबर) से किसी भी समय स्ट्रीम किया जा सकता है। थैंक गॉड की बात करें तो इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अजय देवगन का किरदार चित्रगुप्त से प्रेरित है। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें अजय के अलावा सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत सिंह ने भी अहम भूमिका निभाई है। रिलीज से पहले इस फिल्म पर काफी विवाद भी हुआ था, जिसके बाद अजय देवगन के किरदार का नाम बदलकर सीजी कर दिया गया था। थैंक गॉड की डिजिटल रिलीज पर अजय देवगन ने साझा किया, इस फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और रकुल प्रीत के साथ काम करके बहुत खुशी हुई। मैंने इससे पहले भी निर्देशक इंद्र कुमार के साथ भी काम किया है, इसलिए यह फिल्म हमारे लिए रीयूनियन की तरह था। इतने ऊर्जावान और प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ सेट पर होना हमेशा मजेदार होता है और मेरा मानना है कि केमिस्ट्री स्क्रीन पर भी झलकती है। मैं उन दर्शकों का आभार व्यक्त करना चाहता हूं जिन्होंने फिल्म को बेहद सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। मुझे यकीन है कि 20 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर इसकी डिजिटल रिलीज के साथ दुनिया भर में हमारे प्रशंसक और दर्शक फिल्म का आनंद लेंगे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सांसाद नवनीत राणा फर्जी जाति प्रमाणपत्र मामले जल्द कार्रवाई करे पुलिस

मुंबई । सांसाद नवनीत राणा फर्जी जाति प्रमाणपत्र मामले में मुंबई की शिवड़ी अदालत ने पुलिस को दिए कड़े आदेश दिए हैं। गुरुवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने तल्ख तेवर अपनाते हुए पुलिस से मामले में गैर जमानती वारंट के आधार पर जल्द कार्रवाई करने का आदेश दिया। मामले में आरोपी नंबर 1 यानी नवनीत राणा और आरोपी नंबर 2 उनके पिता हरभजन सिंह कुंडलेश पर पुलिस ने कार्रवाई के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 28 दिसंबर तक टाल दी है। इसके पहले मुलुंड की मजिस्ट्रेट अदालत ने निर्दलीय सांसद नवनीत राणा के विरूद्ध फर्जी तरीके से जाति प्रमाण पत्र हासिल करने के मामले में समीक्षा अर्जी को खारिज कर दिया था। राणा ने मजिस्ट्रेट अदालत द्वारा आरोप मुक्त करने से इंकार के खिलाफ अर्जी दायर की थी। राणा वर्तमान में पूर्वी महाराष्ट्र में अमरावती से सांसद हैं यह सीट अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित है। उन्होंने मुलुंड की मजिस्ट्रेट अदालत के फैसले के खिलाफ सांसदों और विधायकों के मामलों की सुनवाई करने वाली विशेष अदालत के समक्ष एक समीक्षा अर्जी दायर की थी। मजिस्ट्रेट ने अगस्त में पारित एक आदेश में राणा को इस मामले से बरी करने से इनकार करते हुए कहा था कि कथित धोखाधड़ी और जालसाजी के दस्तावेजी प्रमाण सहित उनके खिलाफ 'प्रथम दृष्टया सबूत' है। राणा की ओर से पेश अधिवक्ता रिजवान मर्चेंट ने विशेष अदालत के समक्ष दलील दी कि पुलिस द्वारा दाखिल आरोपपत्र में उनके खिलाफ कोई सामग्री नहीं है। अतिरिक्त लोक अभियोजक एसएस पंजवानी ने कहा कि मजिस्ट्रेट का आदेश 'पूरी तरह से न्यायसंगत' था क्योंकि राणा के खिलाफ सबूत मिले हैं।

सरकारी स्कूल में मदरसे वाली प्रार्थना कराने के आरोप में प्रधानाचार्य और शिक्षा मित्र पर मामला

बरेली। बरेली जिले के फरीदपुर स्थित एक सरकारी स्कूल में 'मदरसे वाली प्रार्थना' कराये जाने का आरोप लगाते हुए विश्व हिन्दू परिषद के नगर अध्यक्ष ने विद्यालय के प्रधानाचार्य और शिक्षा मित्र के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। बेसिक शिक्षा अधिकारी विनय कुमार ने बृहस्पतिवार को बताया कि विश्व हिन्दू परिषद की स्थानीय इकाई के कुछ पदाधिकारियों ने फरीदपुर में स्थित एक सरकारी उच्चतर प्राथमिक स्कूल में मेरे अल्लाह, मेरे अल्लाह बोल वाली प्रार्थना कराये जाने की शिकायत करते हुए इसे मदरसे वाली प्रार्थना बताकर प्रधानाचार्य नाहिद सिद्दीकी और शिक्षा मित्र वजरुद्दीन पर धार्मिक भावनाएं आहत करने व मतांतरण की कोशिश का आरोप लगाया था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि प्रार्थना का एक वीडियो भी सामने आया है। बहरहाल, विश्व हिन्दू परिषद के नगर अध्यक्ष सोमपाल राठौर की शिकायत के आधार पर प्रधानाचार्य और शिक्षा मित्र के खिलाफबुधवार को प्राथमिकी दर्ज की गई। बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि आरोप है कि प्रधानाचार्य नाहिद सिद्दीकी के कहने पर शिक्षामित्र वजरुद्दीन काफी समय से मदरसे वाली प्रार्थना करा रहे थे। विरोध करने पर बच्चों को धमकी दी जाती थी। उन्होंने बताया कि इस मामले में प्रधानाचार्य से जवाब तलब किया गया है जबकि शिक्षा मित्र के खिलाफ जांच के आदेश दिये गए हैं।

आफताब पूनावाला ने साकेत कोर्ट के समक्ष जमानत याचिका वापस ली

नई दिल्ली। श्रद्धा वाकर की हत्या के आरोपी आफताब पूनावाला ने साकेत कोर्ट के समक्ष जमानत याचिका वापस ले ली। कोर्ट ने आफताब की जमानत याचिका वापस ली हुई मानकर खारिज कर दी। आफताब के वकील ने बताया कि जमानत याचिका गलतफहमी के कारण दायर की गई थी। श्रद्धा हत्याकांड के मुख्य आरोपी पूनावाला ने जमानत के लिए 16 दिसंबर को साकेत कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। आरोपी पूनावाला को वीडियो कांफ्रेंसिंग के द्वारा कोर्ट में पेश किया गया। साकेत कोर्ट ने 9 दिसंबर को पूनावाला की न्यायिक हिरासत 14 दिनों के लिए बढ़ा दी थी। वह वर्तमान में 23 दिसंबर तक न्यायिक हिरासत में है और दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। श्रद्धा के पिता की वकील सीमा कुशवाहा ने कहा कि आफताब के वकील ने जमानत अर्जी दाखिल की लेकिन आफताब ने अपने वकील को जमानत की अर्जी दाखिल करने की अनुमति देने से इंकार कर दिया। 90 दिन के अंदर पुलिस चार्जशीट दाखिल करेगी। मुझे उम्मीद है कि जल्द ही जांच पूरी होगी और चार्जशीट दाखिल होगी।

महापुरुषों के नाम पर रखे गए भवन संस्थानों और सड़कों को संक्षिप्त रूप में बोलने का चलन चिंता जनक : कविता पाटीदार

नई दिल्ली। राज्यसभा में भारतीय जनता पार्टी की एक सदस्य ने महापुरुषों के नाम पर रखे गए भवनों संस्थानों सड़कों आदि के नामों को संक्षिप्त रूप में बोलने के चलन पर चिंता जताकर कहा कि इससे वह उद्देश्य बाधित हो रहा है जिसके लिए भवनों संस्थानों सड़कों आदि के नाम महापुरुषों के नाम पर रखे गए थे। शून्यकाल में भाजपा की कविता पाटीदार ने यह मुद्दा उठाया। कविता ने कहा कि आने वाली पीढ़ी महापुरुषों के कार्यों से प्रेरणा ले इसके लिए कई भवनों संस्थानों सड़कों का नाम महापुरुषों के नाम पर रखा गया है। उन्होंने कहा लेकिन आज नामों को संक्षिप्त रूप में बोलने के चलन के कारण डॉ.राम मनोहर लोहिया अस्पताल को आरएमएल देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय को डीएवीवी रवींद्रनाथ टैगोर मार्ग को आरएनटी मार्ग दीनदयाल उपाध्याय मार्ग को डीडीयू मार्ग तथा तात्या टोपे नगर को टीटी नगर कहा जाता है।'' उन्होंने कहा कि विडंबना यहां हैं कि टैक्सी चालक को अगर जगह का पूर्ण नाम बताया जाए तब वह समझ ही नहीं पाता लेकिन संक्षिप्त नाम बताने पर समझ जाता है। उन्होंने महापुरुषों के नाम को पूरा बोलने पढ़ने और लिखने का अनुरोध किया ताकि इसके उद्देश्य को पूरा किया जा सके और युवा पीढ़ी इससे प्रेरणा लेकर देश का बेहतर भविष्य बना सके। टीआरएस सदस्य के आर सुरेश रेड्डी ने शून्यकाल में कहा कि 2022-23 के अकादमिक वर्ष के मध्य में सरकार ने अन्य पिछड़ा वर्ग के अल्पसंख्यकों को दी जाने वाली प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति बंद किए जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि इससे इन छात्रों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ''सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास'' की बात कहती है। लेकिन मोदी सरकार को यह समझना होगा कि देश का अन्य पिछड़ा वर्ग भी समाज का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा छात्रवृत्ति इस वर्ग के छात्रों को स्कूल लाने में उन्हें पढ़ने तथा पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित करने में मददगार थी इस जारी रखना चाहिए। भाजपा के डॉ सिकंदर कुमार ने चंबा जिले की पांगी घाटी की सड़कों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि 40 साल पहले वहां सड़कें बनाई गई थीं और आज तक वह वैसी ही हैं। उन्हें सड़कों को न पक्का किया गया न चौड़ा किया गया। उन्होंने कहा कि पांगी घाटी की सड़कों को पक्का और चौड़ा किया जाना चाहिए ताकि वहां के लोगों को आवागमन में किसी भी तरह की परेशानी नहीं हो। भाजपा के समीर उरांव ने झारखंड में कथित धर्मांतरण को लेकर एक युवक की हत्या करने उसके शव के टुकड़े टुकड़े किए जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि राज्य की सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने के विफल रही है।

पाकिस्तानी घुसपैठ रोकने बीएसएफ हुई मुस्तैद जनवरी में ऑपरेशन सर्द हवा शुरु करेगी

-श्रीगंगानगर बीकानेर जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में सतर्कता बढ़ी

जयपुर । सर्दी बढ़ने के साथ ही पाकिस्तान से सटे मरुधार के सीमावर्ती इलाकों में घुसपैठ की आशंका बढ़ी है। पाकिस्तानी घुसपैठियों के लिए सर्दी का मौसम काफी अनुकूल रहता है। इसके बाद सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षा बढ़ाई गई है। राजस्थान के श्रीगंगानगर बीकानेर जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। बढ़ती सर्दी के बीच इन जिलों में रेत के टीलों का फायदा उठाकर घुसपैठियों के भारतीय सीमा में प्रवेश करने की आशंका को देखकर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पुलिस और स्थानीय नागरिकों को भी सजग किया है। बीएसएफ के जवान अलर्ट मोड पर है। इन जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास लगते हुए इलाकों में रहने वाले लोगों को शाम छह से अगले दिन सुबह सात बजे तक के सीमावर्ती इलाकों में जाने पर रोक लगाई गई है। सीमा के पास बीएसएफ आपरेशन सर्द हवा भी जनवरी माह में शुरू करेगा। आपरेशन सर्द हवा के दौरान जवान विशेष अभियान के तहत पेट्रोलिंग करने वाले हैं। ऊंटों के साथ ही जीपों में सवार होकर जवान सीमा पर निगरानी होगी। सर्दी में कोहरा बढ़ने के साथ ही सीमा पर घुसपैठ बढ़ जाती है। मादक पदार्थों की तस्करी भी पाकिस्तान की तरफ होती है।

भारत और चीन के बीच हुई 17वें दौर की बात, सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने पर सहमत हुए दोनों देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल में ही भारत और चीन के बीच अरुणाचल प्रदेश के तवांग में झड़प की खबर आई थी। 9 दिसंबर को चीनी सेना ने एलएसी पर एकतरफा स्थिति बदलने की कोशिश की, जिसका जवाब भारतीय सेना की ओर से दिया गया। इन सबके बीच खबर यह है कि भारत और चीन के बीच कमांडर स्तर के 17वें दौर की बैठक 20 दिसंबर को हुई है। यह बैठक ऐसे समय में हुई है जब दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर है। दरअसल, भारत और चीन के बीच 2020 से सीमा पर तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। मई 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य स्तर की बातचीत चल रही है। अब तक 16 दौर की बातचीत हो चुकी थी। 17वें द्वार की बातचीत 20 दिसंबर को संपन्न हुई है।

इस बात की जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने दी है। अरिंदम बागची ने कहा कि भारत-चीन कोर कमांडर स्तर की 17वीं दौर की बैठक 20 दिसंबर को चुशुल मोल्दो में चीनी पक्ष द्वारा आयोजित हुई थी। उन्होंने आगे बताया कि दोनों पक्षों ने पश्चिमी क्षेत्र में एलएसी के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया और शेष मुद्दों पर जल्द से जल्द काम करने के लिए खुलकर और गहन चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि दोनों पक्ष पश्चिमी क्षेत्र में जमीन पर सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने और सैन्य और राजनयिक चैनलों के माध्यम से बातचीत बनाए रखने और पारस्परिक रूप से स्वीकृत संकल्प पर काम करने पर सहमत हुए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने चीन में बढ़ते कोरोना मामलों पर भी अपनी बात रखी। बागची ने कहा कि हम चीन में कोविड की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। हम दुनिया की फार्मेसी हैं और उस रूप में हमेशा दूसरे देशों की मदद की है। उन्होंने कहा कि हमें अभी ट्रैवल एडवाइजरी जारी करना है, लेकिन लोगों को उस देश में स्थानीय दिशानिर्देशों का पालन करना चाहिए जहां वे रह रहे हैं। अफगानिस्तान को लेकर उन्होंने कहा कि हमने इसे चिंता के साथ नोट किया है। भारत ने अफगानिस्तान में लगातार महिला शिक्षा का समर्थन किया है। मैं यूएनएससी संकल्प 2593 को भी याद करना चाहूंगा, जो मानव अधिकारों को बरकरार रखता है जो महिलाओं के लिए समान भागीदारी का आह्वान करता है।

राज्यसभा और लोकसभा में कोरोना का असर धनखड़ और बिरला ने पहला मॉस्क

-कई सारे सांसद भी मॉस्क लगाए दिखाई दिए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई देशों में कोविड-19 का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। चीन के बाद अब जापान कोरिया ब्राजील और अमेरिका में भी कोरोना के केस बढ़ रहे है। इसकारण भारत में भी सतर्कता बढ़ती दिखाई दे रही है। भारत में भी कोरोना का असर साफ तौर पर दिखने लगा है। इस बीच गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना को लेकर एक बड़ी समीक्षा बैठक भी बुलाई है। दूसरी ओर संसद की कार्यवाही के दौरान भी बढ़ते कोरोना मामले का असर साफ तौर पर दिखाई दिया। दरअसल संसद की कार्यवाही शुरू होने के साथ ही राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मास्क पहन रखा था। इसके अलावा कुछ सांसदों ने भी मास्क के पहना था। इसके पहले बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने अधिकारियों के साथ कोरोना को लेकर एक बड़ी बैठक की थी।

स्वास्थ्य मंत्री की बैठक में इस बात को स्वीकार किया गया कि फिलहाल भारत में कोरोना के मामलों

में कोई बढ़ोतरी नहीं दिख रही है। लेकिन वैरिएंट की पहचान के लिए सर्विलांस और ट्रैकिंग बेहद जरूरी है। इसके अलावा इस बैठक के बाद लोगों से बूस्टर डोज लेने की भी अपील की गई है। नीति आयोग के सदस्य वीके पॉल ने बताया कि अब तक 27-28 प्रतिशत लोगों ने ही बूस्टर डोज लिया है। इसके बाद लोगों को बूस्टर डोज ले लेनी चाहिए। उन्होंने अपील भी की है कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में मास्क पहनकर रहे।

नूंह पहुंची भारत जोड़ो यात्रा बच्चे से लेकर बुजुर्गों ने किया राहुल गांधी का स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने हरियाणा में प्रवेश कर लिया है। यात्रा ने हरियाणा में पाटन उदयपुरी गांव से सुबह के लगभग साड़े छह बजे प्रवेश किया था। यात्रा आगे बढ़ते-बढ़ते नूंह जिले में आ ही गई है जो कि गुरुवार को जिले के गावों में जाकर जनसभाएं करेगी। यहां राहुल गांधी के स्वागत स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों ने किया।

बता दें कि राहुल गांधी की यात्रा गांव मलब से होकर गुजरी। भारत जोड़ो यात्रा यहां की खस्ताहाल और कीचड़ से लबालब सड़कों के बीच से होकर गई है। मलब गांव में राहुल गांधी और उनकी भारत जोड़ो यात्रा का स्वागत करने के लिए कांग्रेस की वरिष्ट नेता कुमारी शैलजा भी सुबह से पहुंच गई थीं। वहीं बीच रास्ते में राहुल का इंतेजार करते हुए कुमारी शैलजा ने उनसे बात करती भी नजर आई। भारत जोड़ो यात्रा में राहुल गांधी आम जनता के बीच जाते हैं और उनसे बात करते हैं उनकी समस्यां सुनते हैं। यही नहीं अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने अनेक छोटे बच्चों से बात की। बता दें कि मलब गांव में भी कई बच्चे हाथों में तिरंगा और पोस्टर लिए राहुल गांधी का इंतेजार करते हुए दिखाई दिए थे। यही नहीं स्कूल के कई छात्र भी उनके इंतेजार में सड़कों के किनारे खड़े नजर आए।

खराब सड़कों और गड्ढों में लबालब भरे कीचड़ों के बीच भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने और राहुल गांधी से मुलाकात करने एक दिव्यांगजन भी पहुंचे हुए थे। वहीं हजारों समर्थकों की भीड़ भी राहुल गांधी के स्वागत के लिए पहुंची। भारत जोड़ो यात्रा में नूंह जिले में प्रवेश कर चुकी है।

केंद्र सड़कों के निर्माण मरम्मत और सड़कों के सौंदर्यीकरण के लिए दिल्ली को 700 करोड़ देगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। । सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और दिल्ली के उपराज्यपाल वीके। सक्सेना के बीच हुई बैठक में फैसला किया गया किऐकेंद्र सरकार राजधानी दिल्ली में सड़कों के निर्माण मरम्मत रखरखाव और सड़कों के सौंदर्यीकरण के लिए दिल्ली को 700 करोड़ रुपये देगी। दिल्ली में सार्वजनिक निर्माण विभाग और दिल्ली एमसीडी जैसी सड़क-स्वामित्व वाली एजेंसियों को राजधानी में सड़क के बुनियादी ढांचे के बदलाव लाने में यह अप्रत्याशित लाभ मिलेगा।

एक सूत्र ने कहा कि गडकरी ने एनएचएआई को शहर में अपनी सभी सड़कों की मरम्मत नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण की लागत वहन करने का निर्देश देने के साथ ही महिपालपुर (आईजीआई हवाई अड्डे) और धौला कुआं के बीच सड़क के विस्तार में होने वाली लागत को भी वहन करने का निर्देश दिया। उपराज्यपाल के एक अनुरोध पर कि एनएचएआई दिल्ली में तीन लैंडफिल साइटों पर एकत्र कचरे को उठाता है और 20 लाख टन से अधिक का उपयोग करता है जिसे वह पहले से ही उपयोग करने के लिए प्रतिबद्ध था केंद्रीय मंत्री ने एनएचएआई को कचरा उठाने और सड़क निर्माण गतिविधियों के लिए उसका उपयोग करने का निर्देश दिया। गडकरी ने इस बात पर जोर दिया कि इस तथ्य के बावजूद कि इससे एनएचएआई के लिए ढुलाई में वृद्धि होगी यह राष्ट्रीय राजधानी को कचरे के पहाड़ों को समतल करने में मदद करेगा जो शहर में दशकों से बढ़ गए थे।

बैठक एनएचएआई परियोजनाओं जैसे यूईआर-द्वितीय द्वारका एक्सप्रेसवे दिल्ली-देहरादून राजमार्ग और वसंत कुंज सेक्टर सी-डी में समानांतर फ्लाईओवर से संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए बुलाई गई थी। गडकरी और एलजी सक्सेना की अध्यक्षता में हुई बैठक में दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि पेड़ काटने स्थानांतरण की अनुमति भूमि का आवंटन आवंटित भूमि का कब्जा सौंपने कचरा संग्रह बिंदु को हटाने बिजली संचरण को स्थानांतरित करने जैसे लंबित मुद्दों के संबंध में लंबित मुद्दे दिल्ली सरकार दिल्ली विकास प्राधिकरण और एमसीडी की ओर से लाइन पहले ही पूरी हो चुकी है। लंबे समय से लंबित इन मुद्दों को पिछले कुछ महीनों में एलजी द्वारा सक्रिय संचालन के साथ हल किया गया था।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पर संजय राउत ने लगाया घोटाले का आरोप, कहा- देना पड़ेगा इस्तीफा

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लेकर उद्धव ठाकरे गुट के शिवसेना जबरदस्त तरीके से हमलावर रहते हैं। उद्धव गुट के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने आज महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर घोटाले का बड़ा आरोप लगा दिया। इसको लेकर संजय राउत की ओर से एक प्रेस कॉन्फ्रेंस किया गया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के 110 करोड़ का भूमि घोटाला हम लोगों ने बाहर निकाला। उन्होंने कहा कि नागपुर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट के जो 16 भूखंड गैरकानूनी तरीके से अपने बिल्डर्स को बेच दिया। जब ये पूरा मामला कोर्ट में गया तो कोर्ट ने भी कहा कि ये गैरकानूनी है। इसके साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री से इस्तीफा भी मांगा।

सांसद संजय राउत ने कहा कि जब वे(मुख्यमंत्री) महाराष्ट्र में नगर विकास मंत्री थे तब उन्होंने ये घोटाला किया और मुख्यमंत्री बनने के बाद उसपर मोहर लगाई है। उन्होंने साफ कहा कि ये मुद्दा उठता रहेगा, हम चुप नहीं रहेंगे, मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना पड़ेगा। इससे पहले संजय राउत ने महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद पर बयान देते हुए कहा था कि जिस तरह चीन भारतीय क्षेत्र में 'घुसा', उसी तरह वे भी इस पड़ोसी दक्षिणी राज्य में घुसेंगे। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि हम वार्ता के जरिये मुद्दे का हल करना चाहते हैं, लेकिन कर्नाटक के मुख्यमंत्री (अपने बयानों से) हर चीज

को निशाना बना रहे हैं। महाराष्ट्र में एक कमजोर सरकार है और इसलिए वह उस राज्य (कर्नाटक) के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर सकी है।

नौ माह बाद अमेरिका से लौटे पूर्व सीएम चन्नी को पुलिस ने थमाया समन

चड़ीगढ़ (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी की करारी हार के बाद अमेरिका गए पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी नौ माह बाद पंजाब पहुंचे लेकिन चन्नी के पहुंचते ही पंजाब पुलिस ने समन थमा दिया। उन्हें रात 11 बजे उस समय समन दिया गया जब वह दिवंगत कांग्रेस नेता व पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला के परिवार से मिलने उनके घर पहुंचे थे। चन्नी राजस्थान में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के बाद रात को मानसा के गांव मूसा पहुंचे और मूसेवाला के परिवार से मुलाकात की। वह रात को वहीं रुके और बुधवार सुबह अपने गृह क्षेत्र चमकौर साहिब के लिए निकल गए। चन्नी भारत जोड़ो यात्रा में जुड़ने से पहले उन्होंने दिल्ली में पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा व पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से भी मुलाकात की की थी। चन्नी के विरुद्ध चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन

का मामला दर्ज हैं।

आरोप है कि उन्होंने समयसीमा समाप्त होने के बावजूद सिद्धू मूसेवाला के लिए प्रचार किया था। मूसेवाला मानसा से कांग्रेस के प्रत्याशी थे। उन्होंने कहा मैं मंगलवार को ही में पंजाब में दाखिल हुआ हूं और पंजाब में दाखिल होते ही सिद्धू मूसेवाला के घर पर शोक प्रकट करने के लिए पहुंचा हूं। बहुत ही दुखदायक घटना हुई है। जब मैं रास्ते में था तो पुलिस का मैसेज मिला कि यहां न आएं। आपको गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मैंने कहा कि मैं अफसोस प्रकट करने जा रहा हूं। आपको गिरफ्तार करना है तब कर सकते हैं।

कोरोना वायरस : मनसुख मांडविया के पत्र पर बोले राहुल गांधी, यह यात्रा को रोकने का बहाना है, ये भारत की सच्चाई से डरे हुए हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के कई हिस्सों में कोरोना वायरस का खतरा लगातार बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हाल में ही स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने राहुल गांधी को एक पत्र लिखा था जिसमें उन्होंने राहुल गांधी से भारत जोड़ो यात्रा स्थगित करने की बात कही थी। अब इसी को लेकर राहुल गांधी की ओर से जवाब दिया गया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी का यह नया विचार है। उन्होंने मुझे पत्र लिखकर कहा कि कोरोना वायरस आ रहा है और यात्रा बंद कर दो। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह सब यात्रा को रोकने का बहाना है। यह भारत की सच्चाई से डरे हुए हैं।

अपने बयान में राहुल गांधी ने कहा कि यह जो यात्रा है वह कश्मीर तक जाएगी। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि इन्होंने नया आईडिया निकाला है। मुझे चिट्ठी लिखी कि कोविड-19 रहा है, यात्रा बंद करो। उन्होंने कहा कि अब देखिए यात्रा को रोकने के लिए बहाने बन रहे हैं। मास्क पहनो, यात्रा बंद करो, कोविड-19 रहा है। यह सब बहाने हैं। उन्होंने दावा किया कि हिंदुस्तान की शक्ति से और सच्चाई से यह लोग डर गए हैं। उन्होंने कहा कि इस यात्रा में हम 100 दिन से ज्यादा चले हैं। इसमें हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, हर जाति के लोग शामिल हुए।

आपको बता दें कि भाजपा के तीन सांसदों द्वारा कोरोना वायरस के प्रसार को लेकर चिंता जताए जाने का हवाला देते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से अनुरोध किया कि अगर कोविड प्रोटोकॉल का पालन नहीं किया जा सकता तो वह 'भारत जोड़ो यात्रा' निलंबित करने पर विचार करें। गांधी और राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को मंगलवार को लिखे पत्र में मांडविया ने कहा कि राजस्थान के तीन सांसद पी पी चौधरी, निहाल चंद और देवजी पटेल ने चिंताएं व्यक्त की हैं और उनसे अनुरोध किया है कि मार्च के दौरान मास्क तथा सैनिटाइजर का इस्तेमाल करने समेत कोविड प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाए और टीके की खुराक लेने वाले लोगों को ही पदयात्रा में भाग लेने की अनुमति दी जाए।